राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,23फ़रवरी 2021 वर्ष-4, अंक -31 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आशियाने की तलाश में बुजुर्ग, शहर के मुकाबले गांवों में अधिक बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर

नई दिल्ली। हाल में बुजुर्गो के कल्याण के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रमों और नीतियों को उनके अनुकूल निर्मित करने के उद्देश्य के साथ देश में पहली बार देशव्यापी सर्वेक्षण 'लांगिटूडिनल एजिंग स्टडीज ऑफ इंडिया' किया गया। इसके मुताबिक गांवों में 60 साल से अधिक आयु के 6.3 प्रतिशत बुजुर्ग अकेले जीवनयापन कर रहे हैं, जबकि शहर में एकाकी जीवन जीने वाले बुजुर्ग 4.1 प्रतिशत हैं। शहर में 32.6 प्रतिशत बुजुर्ग अपने बच्चों या अन्य व्यक्तियों के साथ रह रहे हैं, जबकि गांवों में 25.6 प्रतिशत अपने बच्चों के साथ रह रहे हैं। अपनी पत्नी और अन्य लोगों के साथ गांवों में 21.5 प्रतिशत तथा शहर में 17.5 प्रतिशत बुजुर्ग रह रहे हैं। बुजुर्गो की समस्याओं के प्रति परिवार, समाज और सरकार की उदासीनता एक कड़वा सच है। बुजुर्ग लोगों का बड़ा प्रतिशत स्वयं को समाज से कटा हुआ और मानसिक रूप से दमित महसूस कर रहा है। यह असंवेदनशीलता बुजुर्गो के लिए काफी पीड़ादायी है। बुजुर्गो का उत्पीड़न उनके घर से ही शुरू होता है। बुजुर्गो के साथ भेदभाव होना आम बात है, लेकिन वे शायद ही कभी इसकी शिकायत कर पाते हैं और इसे सामाजिक परिपाटी मान लेते हैं। इस भेदभाव से सुरक्षा के बारे में वे बहुत कम जागरूक होते हैं। जब कभी कहीं बुजुर्गो के तिरस्कार की बात उठती है तो दो-चार शब्दों में वक्तव्य, टिप्पणियां, आलोचना और विवेचना के जरिये दुख व्यक्त कर लिया जाता है। आधुनिकता ने लोगों की सोच में बदलाव लाने के साथ-साथ बुजुर्गो के प्रति आदर का भाव भी खत्म कर दिया है। आधुनिक समाज उन्हें घर में रखना कूड़े के समान समझता है और उन्हें वृद्धाश्रम में धकेल दिया जाता है। या फिर वे घर में इतने प्रताड़ित किए जाते हैं कि खुद ही घर छोड़कर चले जाते हैं। क्या यही हमारी परंपरा और संस्कृति है। तिनका-तिनका जोड़कर अपने बच्चों के लिए आशियाना बनाने वाले ये पुरानी पीढ़ी के लोग अब खुद आशियाने की तलाश में दरबदर भटक रहे हैं।

पहली बार डिफेंस सेक्टर में निजी क्षेत्र की भागीदारी पर जोर दिया जा रहा : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रक्षा क्षेत्र से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा कि आजादी के बाद पहली बार डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को इतना अधिक बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब हमारे अपने लड़ाकू विमान तेजस को फाइलों में बंद करने की नौबत आ गई थी, लेकिन हमारी सरकार ने तेजस की क्षमताओं पर

भरोसा किया और वह आज आसमान में उड़ान भर रहा है। कुछ हफ्ते पहले ही 48 हजार करोड़ का ऑर्डर दिया गया है। हमारे जवानों को बुलेट प्रूफ जैकेट्स के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज हम न सिर्फ अपने देश के लिए बना रहे, बल्कि दूसरे देशों के लिए भी बनाने के लिए अपनी कैपेसिटी को बढ़ा रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर को आगे लाने के लिए सरकार उनके ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर काम कर रही है। अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टरों के मुकाबले डिफेंस सेक्टर में सरकार का दखल काफी अधिक है। सरकार ही एकमात्र खरीदार है। यह सेक्टर नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ा हुआ है। लेकिन साथ ही प्राइवेट सेक्टर के साथ साझेदारी के बिना 21वीं सदी का डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग खड़ा नहीं हो सकता है।

बिहार में रफ्तार का कहर

वित्तमंत्री तारकिशोर के जिले कटिहार में ट्रक-ऑटो की टक्कर में 5 की मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले से बड़ी खबर। एक बार फिर रफ्तार के कहर ने ले ली पांच लोगों की जान। बिहार के डिप्टी सीएम सह वित्त मंत्री तारकिशोर प्रसाद के गृह जिले कटिहार में ट्रक और ऑटो की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई वहीं 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार पोठिया ओपी क्षेत्र के एनएच-31 सड़क पर खैरा बहियार के समीप ट्रक और ऑटो की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं घायलों का समेली अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया गया कि सभी मृतक और घायल एक बैंडपार्टी से जुड़े थे। वे पूर्णिया के मरंगा से शादी में बाजा बजाकर ऑटो से वापस कुरसेला स्थित घर लौट रहे थे। इसी दौरान ऑटो की भिड़ंत ट्रक से हो गई।

महिलाओं के लिए शुरू होंगी दो योजनाएं, किसानों को मिलेगा सस्ता लोन

नई दिल्ली। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के इस कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट विधानसभा में पेश कर रही है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना सदन में यूपी का बजट पेश कर रहे हैं। यह यूपी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री ने 5,50,270 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। यूपी सरकार का यह बजट युवाओं, किसानों व महिलाओं पर केंद्रित है। इससे पहले सोमवार सुबह सीएम आवास पर योगी अदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यूपी बजट 2021-22 को मंजूरी दी गई है।

कानपुर मेट्रो के लिए 597 करोड़-सुरेश खन्ना ने कहा कानपुर मेट्रो रेल परियोजना की अनुमोदित लागत 11,076 करोड़ रूपये है। वित्तीय वर्ष 2021-2022 के बजट में परियोजना हेतु 597 करोड़ रूपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के प्राथमिक सेक्शन आईआईटी कानपुर से मोतीझील पर ट्रायल रन प्रारम्भ करने की लक्षित तिथि है।

यूपी में बढ़ेगी एयरपोर्ट की संख्या-उत्तर प्रदेश में ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स की संख्या 4 से बढ़कर 7 हो गई। जनपद अयोध्या में निर्माणाधीन एयरपोर्ट का नाम मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम हवाई अड्डा अयोध्या होगा इस हेतु 101 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित। जेवर एयरपोर्ट में हवाई पट्टियों की संख्या दो से बढ़ाकर छह करने का निर्णय लिया गया है।

काबुल बम धमाके में खून से लथपथ बच्चों ने लगाई 'मां उठो' की पुकार

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के कबुल में हुए बम धमाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो को देखने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोग वीडियो देख अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वीडियो में खूने से लथपथ बच्चे एक बेहोंश महिला के पास खड़े हैं और रो रहे हैं। वीडियो में विस्फोट के बाद कई शव पड़े दिख रहे हैं जो खून से सने हैं। काबुल पुलिस के प्रवक्ता फर्डावस फरमर्ज़ ने कहा अफगानिस्तान की राजधानी में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए हुए विस्फोट में 2 लोग मारे गए और लगभग 5 लोग घायल हो गए। वायरल वीडियो खून से लथपथ लाशें देखीं जा सकती थी और दो बच्चें एक बेहोश पड़ी महिला के पास रोते दिख रहे हैं। वीडियो का सबसे मार्मिक हिस्सा वो है जब बच्चे रोकर चिल्लाते हुए कहते हैं, 'माँ, उठो!' वीडियो को फिल्माने वाला व्यक्ति बच्चों को चुप कराता है उसे बच्चों को 'शांत' कर रहा है। सुरक्षाकर्मी महिला को ले जाते हैं। सोशल मीडिया

पर इस वीडियो क अचानक कई प्रतिक्रियाएं मिलने लगी, जल्दी ही 'मां उठों' के नाम का हैशटैग ट्रेंड करने लगा। लोग इस वीडियो को देखकर दुख प्रकट करने लगे. लोग काबुल में हुए हमले की निंदा करने लगे। काबुल पुलिस के प्रवक्ता ने बाद में पुष्टि की कि दोनों बच्चों को हल्की चोटों के लिए इलाज किया गया था, जबकि वीडियो में महिला गंभीर रूप से घायल थी।

बिहार के सभी जिला और अनुमंडल अस्पतालों में मरीजों के लिए दीदी की रसोई जल्द, एमओयू पर करार

पटना। बिहार के सभी जिला और अनुमंडल में मरीजों को जल्द ही दीदी की रसोई का खाना मिल सकता है। इसके लिए मुख्यमंत्री के समक्ष जीविका दीदी की रसोई को लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव बाला मुरुगन डी एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक मनोज कुमार ने इकरारनामे पर दस्तखत किये। ऐसे में राज्य के सभी जिला व अनुमंडल अस्पतालों में दीदी की रसोई जल्द शुरू हो जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार की दोपहर मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय पार्ट-2 के तहत ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सुविधा, अश्विन पोर्टल, वंडर एप एवं रेफरल ट्रांसपोर्ट टैकिंग सिस्टम (एम्बुलेंस सेवा) का शुभारंभ किया।

दीदी की रसोई में लोगों को नाश्ता एवं भोजन की सुविधा

इस समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कुछ दिन पहले पूर्णिया के धमदाहा में

हमने देखा कि आशा की दीदियां एक मरीज के लिए 100 रुपये में नास्ता एवं खाना उपलब्ध करा रही हैं। हमने कहा कि इसे बढ़ाकर 150 रुपये कर दिया जाए। आज दीदी की रसोई कार्यक्रम के संचालन के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी किया गया, जिससे सभी सदर तथा अनुमंडलीय अस्पतालों में दीदी की रसोई स्थापित की जा सकेगी। इससे लोगों को नाश्ता एवं भोजन की सुविधा ससमय उपलब्ध होगी।

स्वास्थ्य विभाग को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को अनेक कार्यक्रमों की शुरुआत के लिए बधाई दी। कहा कि हमलोगों ने संकल्प लिया है कि बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं का ऐसा प्रबंध करेंगे कि किसी को मजबूरी में इलाज के लिए बिहार से बाहर जाना न पड़े। अगर कोई अपनी इच्छा से इलाज के लिए बाहर जाना चाहते हैं तो अलग बात है। वर्ष 2005 में हमलोगों को काम करने का मौका मिला। उसके पहले स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या स्थिति थी, आप सभी अवगत हैं। हमलोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मियों को पदस्थापित किया। जरूरत के अनुसार नियोजन एवं नियुक्ति की गई। मुफ्त दवा का भी प्रबंध कराया गया। वर्ष 2018 की रिपोर्ट के अनुसार औसतन 10 हजार मरीज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचने लगे।

फिर डराने लगा कोरोना वायरस, लगातार दूसरे दिन 14 हजार से अधिक मामले

नई दिल्ली कुछ समय से धीमी हुई कोरोना की गति ने राहत तो दी थी लेकिन बीते दो दिनों से दैनिक मामलों में बढ़त एक बार फिर डराने लगी है है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में, पिछले 24 घंटों में भारत में 14,199 नए कोविड-19 मामले सामने आए हैं, 9,695 लोग ठीक होकर डिस्चार्ज हुए हैं जबकि 83 मौतें हुई हैं। कुल मामलों की बात करें तो भारत में अब तक 1,10,05,850 केस सामने आए हैं। 1,06,99,410 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। मरने वालों का आंकड़ा 1,56,385 हो चिका है। इसके अलावा 1,50,055 मामले सक्रिय हैं। वहीं टीकाकरण अभियान भी जोर पर है और अब तक 1,11,16,854 लोगों को टीका लगाया जा चुका है। इससे पहले रविवार को भी 14,264 नए कोविड-19 मामले सामने आए। 11,667 लोग डिस्चार्ज हुए हैं जबकि 90 मौतें हुई हैं। बता दें कि लंबे समय बाद दैनिक आंकड़ा 14 हजार से ऊपर होने लगा है। एक ओर जहां देश और दुनिया धीरे-धीरे कोरोना का महामारी से उबरने लगे या फिर थोड़ा सुधार हुआ है। वहीं सिर्फ महाराष्ट्र की बात की जाए तो स्थिति उतनी ठीक नहीं है। महाराष्ट्र में 6 फरवरी से 12 फरवरी तक कोरोना वायरस के 20,590 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 20,200 लोग ठीक हो गए हैं जबकि 169 लोगों की जान गई। कोविड -19 मामलों की संख्या में राज्य का साप्ताहिक औसत 2,941 था और बुधवार से दैनिक टैली में तेज वृद्धि हुई। कुल केस लोड 2.1 मिलियन के करीब है और रिकवरी 1,972,475 है। बढ़ते ग्राफ का असर तब से दिख रहा है जब राज्य में लॉकडाउन खत्म हुआ है। इसके अलावा राज्य में स्कूल भी धीरे-धीरे फिर से खुल रहे हैं।

5 दिन बाद भी 136 लोग लापता, अब तक मिल चुके हैं 68 शव

तपोवन। उत्तराखंड मे चमोली जिले के रैणी-तपोवन क्षेत्र में आई आपदा को पूरे 15 दिन हो गए हैं। अब तक 68 शव और 28 मानव अंग मिल चुके हैं। जबकि 136 लोग अभी भी लापता हैं। इस आपदा में 13 गांवों के 465 परिवार प्रभावित हुए हैं। आपदा के इतने दिनों बाद अब जो शव मिल रहे हैं वो मलबे से पटे हैं। इस कारण इनकी पहचान करना बहुत मुश्किल हो रहा है। 7 फरवरी रविवार को रैणी-तपोवन में आपदा आई थी। आपदा की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम आपदा प्रभावित इलाकों में पहुंच गई थी। पर विधिवत तौर पर आपदा में लापता और मृतक हुए लोगों की खोजबीन दूसरे दिन से शुरू हुई। पहले एसडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना, पुलिस ने खोजबीन और राहत और बचाव का कार्य शुरू किया। इसके तुरन्त बाद एनडीआरएफ ने मोर्चा सम्भाल कर राहत बचाव और तपोवन टनल और बैराज में फंसे और ऋषि गंगा प्रोजेक्ट स्थल पर दबे लोगों की खोजबीन शुरू की। यह

अभियान अभी भी जारी है। 21 फरवरी तक 68 लोगों के शव मिल गए हैं। इसके साथ ही 28 मानव अंग भी अलग अलग स्थानों से मिले हैं।

दलदल में मिले पांच शवों की पहचान हुई-20 फरवरी देर सायं तक जो पांच शव मिले उन सभी की शिनाख्त हो गई है। इनकी पहचान अमृत कुमार (झारखंड), ज्योतिष वासला (झारखंड), मुन्ना सिंह (बिहार), जलाल (उत्तर प्रदेश) और जीवन सिंह (देहरादून) के तौर पर हुई है। ए सभी शव तपोवन टनल, बैराज साइट और ऋषि गंगा परियोजना के बैराज साइट और आस पास के दलदल से मिल रहे हैं। रविवार तक मिले 67 शवों और 28 मानव अंगों में से 1 मानव अंग की पहचान भी हो चुकी है। जिला अधिकारी स्वाति भदौरिया ने बताया कि राहत और बचाव के साथ-साथ टनल के अंदर और दोनों परियोजना के बैराज स्थल पर मानव जीवन और शवों की खोज बीन का कार्य जारी है। इस आपदा में अब तक 136 लोग लापता हैं।

सभी जवान मिलकर चला रहे हैं अभियान-आपदा के तुरंत बाद राहत और बचाव तथा तपोवन टनल के अंदर और बैराज स्थल और रैणी की ऋषि गंगा जल विद्युत परियोजना स्थल और बैराज साइट समेत नदियों के तट पर और प्रभावित गांवों में राहत और बचाव के अभियान में एनडीआरएफ के 129 जवान और अधिकारी जुटे हैं। जबकि एसडीआरएफ के 70 जवान दिन रात रेस्क्यू अभियान में जुटे हैं। एसडीआरएफ के कुछ और जवान और अफसर रैणी के ऊपर बनी झील के निरीक्षण के लिए भी पहुंचे थे। रैणी और तपोवन क्षेत्र में आई आपदा में राहत बचाव और शवों तथा मानव जीवन की तलाश के अभियान में आईटीबीपी के 425 जवान और अफसर, भारत की सेना के 114 जवान और अफसर, नौसेना के 16 जवान, वायु सेना के 2 जवान, बीआरओ के जवान और अफसर, एसएसबी, पुलिस अधीक्षक चमोली समेत पुलिस के 71 जवान और अफसर इस आपदा में राहत और बचाव के अभियान में जुटे हैं।

पेट्रोल-डीजल के बाद प्याज की कीमतों ने रुलाया

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के बीच प्याज के दामों में वृद्धि ने घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में प्याज की कीमत पचास रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। सरकार को उम्मीद है कि मार्च में बाजार में प्याज की आवक बढ़ जाएगी, इससे दम कम हो जाएगें। इसके साथ केंद्र सरकार बफर स्टॉक से राज्यों को प्याज जारी कर सकती है। प्याज की कीमतों में अचानकआई वृद्धि अहम वजह महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बेमौसम बरसात है। इन दनों प्रदेशों में बेमौसम बरसात और ओले पडने की वजह से प्याज की फसल खराब हो गई है। इसके चलते एशिया की सबसे बड़ी मंडी लासलगांव में प्याज की कीमत 4200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गई। क्योंकि, मंडी में प्याज की आवक कम हो गई है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ो के मुताबिक भी राजधानी दिल्ली में बीस दिन के अंदर प्याज की कीमत 10 से 15 रुपए तक बढी हैं। आंकड़ो के मुताबिक 19 फरवरी को प्याज की कीमत 50 रुपए प्रति किलो थी, जबकि 30 जनवरी को प्याज के दाम 39 रुपए प्रति किलो थे। इससे पहले बाजार में प्याज की कीमत औसतन 20 से पच्चीस रुपए प्रति किलो तक थी। सरकार के मार्च में प्याज की आवक बढने से कीमत कम होने की उम्मीद के बावजूद कई जानकार मानते हैं कि अभी राहत की उम्मीद कम हैं। उनका मानना है कि प्याज के दाम अभी और बढेगें। कई लोग कीमतों को आवश्यक वस्तु

अधिनियम संशोधन से जोडकर भी पेश कर रहे हैं। दरअसल, सरकार ने पिछले साल आलू, प्याज, दाल, चावल और तिलहन को दायरे से बाहर कर दिया है।

राजधर्म निभाते हुए पेट्रोल-डीजल की कीमत कम करे सरकार-सोनिया

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकारों का चुनाव लोगों के हितों पर कुठाराघात करने के लिए नहीं, बल्कि बोझ कम करने के लिए किया जाता है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी की मांग करते हुए कहा कि मध्य वर्ग, किसान और गरीबों को लाभ मिलना चाहिए।

सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि देश में ईंधन के दाम ऐतिहासिक रूप से अधिकतम ऊंचाई पर हैं, जो पूरी तरह अव्यवहारिक हैं। कई हिस्सों में पेट्रोल के दाम 100 रुपये प्रति लीटर पार कर गए हैं। डीजल की कीमतों में वृद्धि ने करोड़ों किसानों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत मध्यम स्तर पर है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि मुनाफाखोरी का उदाहरण है।

21 लाख करोड़ रुपये कमाए-प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि यह बात उनकी समझ से परे है कि कोई सरकार ऐसे बेपरवाह और असंवेदनशील उपायों को कैसे सही ठहरा सकती है। सरकार ने छह साल में डीजल पर 820 फीसदी और पेट्रोल पर 258 प्रतिशत उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 21 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कर वसूली की है। पर इस मुनाफाखोरी का लोगों को कोई लाभ नहीं मिला।

बंगाल सरकार ने पेट्रोल, डीजल पर कर में एक रुपये की कमी की

पश्चिम बंगाल सरकार ने रविवार को पेट्रोल और डीजल पर कर में एक रुपये प्रति लीटर की कटौती की घोषणा की जो कि मध्यरात्रि से प्रभावी होगी। राज्य के वित्त मंत्री अमित मित्रा ने कहा कि इस कदम से लोगों को ईंधन की कीमतों में वृद्धि से कुछ राहत मिलेगी।मित्रा ने कहा, %%केंद्र पेट्रोल से कर के तौर पर 32.90 रुपये प्रति लीटर कमाता है, जबकि राज्य को केवल 18.46 रुपये मिलते हैं। डीजल के मामले में, केंद्र सरकार की कमाई 31.80 रुपये प्रति लीटर है जबकि राज्य के लिए 12.77 रुपये है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मंगल पर फिर नासा

मंगल पर इंसानों की कामयाबी का सिलसिला जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, वह सुखद और उत्साहजनक है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का रोवर शुक्रवार को मंगल अर्थात लाल ग्रह की सतह पर सुरक्षित उतर गया और धरती पर अनमोल वीडियो भेजने शुरू कर दिए। रोवर द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता के वीडियो से कुछ तस्वीरें निकाली गई हैं, जिनमें मंगल की सतह दिखाई पड़ रही है। वैज्ञानिकों ने सतह का अध्ययन शुरू कर दिया है। यह जानने की कोशिश होगी कि क्या मंगल पर कभी जीवन था। यह खोज दिलचस्प ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए उपयोगी भी है। मंगल को सही प्रकार से जानने के बाद ही अगले ग्रहों की खोज में ज्यादा तेजी आएगी। नासा के ताजा अभियान की शुरुआत 30 जुलाई को हुई थी। अमेरिका के फ्लोरिडा में केप केनावेरल अंतरिक्ष सेंटर से मंगल की ओर यात्रा करते हुए यान ने 47.2 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की है। उसके रोवर का मंगल की सतह पर सही ढंग से उतरना यकीनन एक बहुत बड़ी वैज्ञानिक कामयाबी है। यह मंगल पर भेजा गया अब तक का सबसे बड़ा रोवर है और इसकी तकनीकी क्षमता-दक्षता भी बहुत ज्यादा है। यह अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी का नौवां मंगल अभियान है, जिसकी शुरुआती सफलता से वैज्ञानिक बहुत उत्साहित हैं। नासा की यह सफलता भारत के लिए भी एक बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि नासा पर रोवर उतारने में सबसे प्रमुख भूमिका भारतीय मूल की अमेरिकी वैज्ञानिक स्वाति मोहन की है। वह एक साल की उम्र में ही अमेरिका चली गई थीं और यह उनकी प्रतिभा का ही प्रमाण है कि नासा जैसे अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान ने उन्हें रोवर की कमान सौंपी है। नासा में काम करने वाले भारतीय मूल के वैज्ञानिकों का प्रतिशत अभी भले एक प्रतिशत के आसपास हो, पर उनकी हैसियत अच्छी है। स्वाति मोहन अमेरिका ही नहीं, भारत के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। इस अभियान के तहत मंगल से छोटी चट्टान या मिट्टी लाने की कोशिश होगी। यदि यह अभियान पूर्ण सफल होता है, तो भारतीयों के गौरव में भी वृद्धि होगी और इससे भारत के मंगल अभियान को भी बल मिलेगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर कभी मंगल ग्रह पर जीवन रहा भी था, तो तीन से चार अरब साल पहले रहा होगा। शायद तब इस लाल ग्रह पर पानी बहता था। मंगल की सतह और मिट्टी के अध्ययन से असली रहस्य खुलेगा। यह अभियान अमेरिका की वर्षों की मेहनत का नतीजा है। मंगल हम मनुष्यों का एक पुराना सपना है, वहां पहुंचने या उसे जानने के लिए करीब 50 अभियान चले हैं या चल रहे हैं। अमेरिका के अलावा, रूस, भारत, चीन, यूरोपीय यूनियन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और जापान भी मंगल के लिए प्रयासरत रहे हैं। बेशक, मंगल की परिक्रमा करने वाले यानों की तुलना में मंगल पर उतरने वाले रोवर से ज्यादा उम्मीद है। भारत को इस दिशा में अभी लंबा सफर तय करना है। भारत ने मंगल की परिक्रमा के लिए मंगलयान नवंबर 2013 में प्रक्षेपित किया था, जो सितंबर 2014 में मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया था। वह अभियान पूरी तरह से सफल रहा था और दुनिया का सबसे सस्ता व एशिया का सबसे पहला मंगल अभियान था। इसरो ने स्पष्ट कर दिया है कि मंगलयान-2 पर काम चल रहा है, लेकिन चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण वर्ष 2022 के बाद ही उसकी योजना साकार होगी।

आज के ट्वीट

मेड इन इंडिया की छाप

मुझे खुशी है कि मेट्रो हो या रेलवे सिस्टम, आज भारत में जो भी निर्माण हो रहा है, उसमें मेड इन इंडिया की छाप स्पष्ट दिख रही है। ट्रैक बिछाने से लेकर रेलगाड़ियों के आधुनिक इंजन और आधुनिक डिब्बों तक बड़ी मात्रा में उपयोग होने वाला सामान और टेक्नॉलॉजी अब भारत की अपनी ही है: -- पीएम

भूख और बाजार का वैश्विक संघर्ष

हर्षदेव

किसान कई अन्य देशों में भी अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं। इन देशों में जर्मनी, हालैंड, फ्रांस भी शामिल हैं। जर्मनी के किसान उपज के वाजिब दाम न मिलने और पर्यावरण रक्षा के नए कायदों से खासे नाराज हैं। राजधानी बर्लिन में कुछ महीने पहले 40 हजार से ज्यादा किसान हजारों ट्रैक्टरों के साथ जमा हो गए। हालैंड में किसानों की बड़ी शिकायत पर्यावरण के नए नियमों से है। किसान आंदोलनों का गवाह अमेरिका भी रहा है। वहां 1980 के बाद आंदोलन इसलिए नहीं हुए, क्योंकि खेती की ज्यादातर जमीन पर कॉर्पोरेट कम्पनियों का कब्ज़ा हो चुका है। फिर भी सरकार को बहुत भारी मात्रा में उपज पर सब्सिडी देनी पड़ती है। हर किसान आंदोलन दरअसल भूख और भण्डार (बाजार) की लड़ाई है। कहना गलत नहीं होगा कि बाजार पर हमेशा जमींदार, जागीदार या शासक ने किसी न किसी रूप में अधिकार बनाए रखा है। यही वजह है कि मांग से ज्यादा खाद्यान्न पैदा होने के बावजूद भारत में 19 करोड़ लोगों को भूखा सोना पड़ता है। यह तथ्य संयुक्त राष्ट्र खाद्य सुरक्षा की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक है। अफ्रीका के कई साधनहीन देशों में तो स्थिति भुखमरी की बनी हुई है। देश में चल रहा वर्तमान किसान आंदोलन उसी संघर्ष की कड़ी का एक हिस्सा है। यह वस्तुतः बाजार के कब्जेदारों और किसानों का संघर्ष है। बाजार पर दुनियाभर के देशों की निर्भरता जितनी बढ़ती गई है, उसी अनुपात में किसानों का हक़ छीनने के हथियार पैने होते गए हैं। बाजार पर आधिपत्य रखने वालों ने इसका उपाय खेती की जमीन को ही अपने कब्जे में ले लेने के तरीके के रूप में खोज लिया। अमेरिका और यूरोप के अनेक देशों में यह किया जा चुका है। खेती की जमीन पर किसानों के बजाय बाजार नियामकों के कब्जे के विचार को सुसंगत शक्ल देने के काम डॉ. विलियम हेफ्फरमैन ने किया। मिसूरी विश्वविद्यालय में ग्रामीण समाज शास्त्र के विभाग प्रमुख डॉ. हेफ्फरमैन ने एक अध्ययन के आधार पर कृषि के औद्योगिकीकरण की बात कही और बताया कि आने वाले समय में समूची खाद्य श्रृंखला पर कुछ गिनी-चुनी कम्पनियों का आधिपत्य हो जाएगा। डॉ. हेफरमैन ने अपने निष्कर्षों में बताया था कि खाद्य श्रृंखला के क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन इतने व्यापक और प्रबल होंगे कि कृषि नीति की योजनाओं के दायरे में रहकर उनके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। उन्होंने इन परिवर्तनों को 'कृषि का औद्योगिकीकरण' का नाम दिया। और, उसी के नतीजे में अब आर्थिक शब्दावली में 'खाद्य उत्पादन' जैसे पदबंध इस्तेमाल किए जाने लगे हैं। उनका कहना था कि नई खाद्य व्यवस्था के बाहर रहकर कृषि नीति बनाना संभव नहीं होगा। इस संदर्भ में यह जानना भी जरूरी है कि समूची खाद्य श्रृंखला पर कुल जमा चार बहुराष्ट्रीय कंपनियों का कब्जा हो चुका है। ये हैं कारगिल (विलियम वैलेस कारगिल द्वारा 1885 में स्थापित खाद्यान्न खरीद, भण्डारण और बिक्री करने वाली वैश्विक कम्पनी), एडीएम (आर्चर डेनियल मिडलैंड कंपनी), कोनआग्रा (खाद्य प्रसंस्करण की वैश्विक कम्पनी) और मोनसेंटो (जैविक परिवर्तन वाले बीज और फसल की शुरुआत करने वाली पहली कम्पनी)। मोनसेंटो ने ऐसे बीज तैयार कर लिए जिनका एक बार की फसल में ही उपयोग हो सकता है। इस प्रकार मुट्ठीभर कम्पनियों के हाथ में पूरी खेती की बागडोर आ जाने का एक परिणाम यह हुआ कि बीज, खाद, सिंचाई, उपज की मात्रा जैसी सूचनाओं की सही जानकारी मिलना भी दूभर होता गया। ये कंपनियां क्योंकि विश्वस्तर पर कारोबार कर रही हैं, फलतः आप यह पता ही नहीं लगा सकते हैं कि किस देश में वे किस नीति को लागू किए हुए हैं। इसके साथ ही अपने विशाल कारोबार में उन्होंने दर्जनों छोटी कंपनियों को भी सहयोगी के रूप में भागीदार बनाया हुआ है। खेती किसानी के भविष्य के बारे में डॉ. हेफरमैन जैसे अमेरिकी समाजशास्त्रियों और उनके विचारों पर चलने वाले कारोबारियों ने पहले ही बहुत सटीक खाका तैयार कर लिया था। उन्होंने कहा था कि यदि अगले दशक में खेती की जमीन के कुल मालिक 25 हजार रह जाएं तो बहुत बड़ी तादाद में लोग इस काम से छुट्टी पा लेंगे। बाद में अमेरिकी सरकार ने इन सिफारिशों को लागू करना शुरू किया और जो किसान अपनी जमीन छोड़ने के लिए तैयार थे, उनके लिए पर्याप्त धन देने की व्यवस्था की गई। सरकार ने नारा दिया था, 'हम हर खेत को नहीं बचा सकते लेकिन हम हर किसान परिवार को बचा लेंगे।' भारत जैसे कमजोर देशों पर इन्हीं एकाधिकारवादी नीतियों को अपनाने की बाध्यता विश्व व्यापार संगठन समझौते के कारण है। खेती-किसानी करनी है तो अब किसान को खेत मालिक के रूप में नहीं, मजदूर बनकर खेती करनी होगी। मजदूरी का मेहनताना उनको मिलेगा। सबसे पहले अमेरिका इसकी मिसाल बना। वहां 1980 के दशक की शुरुआत तक किसानों ने फसल के बाजिब मूल्य के लिए निरंतर संघर्ष किया। यहां तक कि दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसानों की ही तरह अमेरिका में भी तब कई हजार किसान ट्रैक्टरों के साथ राजधानी वाशिंगटन में जा धमके। उसी के नतीजे में सरकार ने ऐसे नियम-कानून बनाए कि किसानों की मांगों को पूरा करने के नाम पर कृषि भूमि पर धीरे-धीरे कॉर्पोरेट घरानों/बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का कारोबारी कब्ज़ा हो गया। ठीक यही काम कृषि सुधार का लक्ष्य बताकर लाए गए तीन नए कानून करेंगे। इन कानूनों के पीछे अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित ही काम कर रहे हैं। इसीलिए जो बाइडेन की सरकार ने भी इन कानूनों के प्रति समर्थन व्यक्त किया है। नए कानूनों की इबारत 1990 के दशक से ही तैयार की जा रही थी। डॉ. विलियम हेफरमैन अपने प्रतिपादन में कृषि की ही बात नहीं करते हैं, वह मांसाहारी जनता के लिए उपयोग में आने वाले पशुओं के कारोबार पर नियंत्रण की बात भी करते हैं। उन्होंने विभिन्न पक्षियों, दुग्ध उत्पादक मवेशियों और खाद्य के रूप में प्रयुक्त पशुओं के मुद्दों का भी कृषि और ग्रामीण समाज शास्त्रीय दृष्टि से अध्ययन किया और बताया कि मनुष्य जाति के लिए भोजन अनिवार्य और निरंतर बनी रहने वाली जरूरत है। इसके फलस्वरूप भविष्य में आर्थिक शक्ति उसी के हाथ में होगी, जिसका कृषि और खाद्य श्रृंखला पर नियंत्रण रहेगा। इस नियंत्रण के लिए हम आने वाले समय में घोर प्रतिस्पर्धा देखेंगे। यह जानना उपयोगी होगा कि एडीएम कंपनी खाद्य वस्तुओं का प्रसंस्करण और उनके वाणिज्य से जुड़ी हुई विश्व की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी है जिसकी 2019 में आय 64.66 अरब डालर थी। इस अमेरिकी घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश भारत के किसानों के लिए यह है कि वहां भी खेती के कारोबार को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हवाले करने का फैसला न बहुमत से हुआ और ना ही जनता की राय से। यह सोचा-समझा निर्णय उन पर थोप दिया गया और ऐसा करने वाले लोगों की संख्या उंगलियों पर गिनने लायक थी। कह दिया गया कि यही उचित है। हालांकि अब फिर नए सिरे से वर्तमान खाद्य व्यवस्था को लेकर पेचीदा सवाल उठ रहे हैं और भविष्य की पीढ़ियों का हवाला देकर उनके जवाब मांगे जा रहे हैं। निश्चय ही, भारत का किसान आंदोलन जर्मनी या अन्य देशों में संघर्षरत खेती करने वालों के लिए मार्गदर्शन का काम करेगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

उपासना व साधना

श्रीराम शर्मा आचार्य

साधना का दूसरा-पक्ष उत्तरार्ध, उपासना है। विविध शारीरिक और मानसिक क्रियाकृत्य इसी प्रयोजन के लिए पूरे किए जाते हैं। शरीर से व्रत, मौन, अस्वाद, ब्रह्मचर्य, तीर्थयात्रा, परिक्रमा, आसन, प्राणायाम, जप, कीर्तन, पाठ, बन्ध, मुद्राएं, नेति, धौति, बस्ति, नौलि, बज्रोली, कपालभाति जैसे क्रियाकृत्य किए जाते हैं। मानसिक साधनाओं में प्रायः सभी चिन्तनपरक होती हैं और उनमें कितने ही स्तर के ध्यान करने पड़ते हैं। नादयोग, बिंदुयोग, लययोग, ऋजुयोग, प्राणयोग, हंसयोग, षटचक्र वेधन, कुंडलिनी जागरण जैसे बिना किसी श्रम या उपकरण के किए जाने वाले, मात्र मनोयोग के सहारे संपन्न किए जाने वाले सभी कृत्य ध्यान योग की श्रेणी में गिने जाते हैं। स्थूल शरीर से श्रमपरक, सूक्ष्म शरीर से चिन्तनपरक उपासनाएं की जाती हैं। कारण शरीर तक केवल भावना की पहुंच है। निष्ठा, आस्था, श्रद्धा का भाव भरा समन्वय 'भक्ति' कहलाता है। प्रेम-संवेदना इसी को कहते हैं। यह स्थिति तर्क से ऊपर है। मन और बुद्धि का इसमें अधिक उपयोग नहीं हो सकता है। भावनाओं की उमंग भरी लहरें ही अन्तःकरण के मर्मस्थल का स्पर्श कर पाती हैं। मनुष्य के अस्तित्व को तीन हिस्सों में बांटा गया है सूक्ष्म, स्थूल और कारण। यह तीन शरीर माने गए हैं। दृश्य सत्ता के रूप में हाड़-मांस का बना सबको दिखाई पड़ने वाला चलता-फिरता, खात-सोता, स्थूल शरीर है। क्रिया शीलता इसका प्रधान गुण है। इसके नीचे वह सत्ता है, जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं। इसका कार्य समझ और केंद्र मस्तिष्क है। शरीर विज्ञान में अनाटॉमी, फिजियालॉजी दो विभाजन हैं। मनःशास्त्र को साइकोलॉजी और पैरा-साइकोलॉजी इन दो भागों में बांटा गया है। मन के भी दो भाग हैं-एक सचेतन, जो सोचने-विचारने के काम आता है और दूसरा अचेतन, जो स्वभाव एवं आदतों का केंद्र है। रक्त संचार, स्वांस-प्रस्वांस, आकुंचन-प्रकुंचन, निमेष-उन्मेष जैसी स्वसंचालित रहने वाली क्रियाएं इस अचेतन मन की प्रेरणा से ही संभव होती हैं। तीसरा कारण शरीर-भावनाओं का, मान्यताओं एवं आकांक्षाओं का केंद्र है, इसे अन्तःकरण कहते हैं। इन्हीं में 'स्व' बनता है। जीवात्मा की मूल सत्ता का सीधा संबंध इसी 'स्व' से है। यह 'स्व' जिस स्तर का होता है, उसी के अनुसार विचारतंत्र और क्रियातंत्र काम करने लगते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

हर घर महक उठे ऐसे फूल खिलाएं

अमिताभ स.

'फिर छिड़ी रात, बात फूलों की...' ग़ज़ल में मशहूर शायर मख़दूम मुहिउद्दीन आगे फरमाते हैं '...फूल खिलते रहेंगे दुनिया में, रोज निकलेगी बात फूलों की...।' वाकई आजकल बाग-बाग बूटा-बूटा फूल खिले हैं, हर ओर फूलों की बहार है। वसंत जो है, फूलों की घाटी महक रही है। फूल चीज़ ही ऐसी है। जाने-माने कवि गोपालदास नीरज ने फूलों की तारीफ में यूं लिखा है 'जिसकी खुशबू से महक जाए पड़ोसी का घर, फूल इस किस्म का हर सिम्त खिलाया जाए।' किसी ने फूल से पूछा कि जब तुम्हें कोई तोड़ता है, तो दर्द नहीं होता क्या? फूल ने कहा, 'मैं अपना दर्द भूल जाता हूं, जब कोई मेरी वजह से ही खुश होता है।' वाकई कुछ पाने की आशा के बगैर देना और त्याग भावना ही हर फूल के जीवन का संदेश है। भंवरे और तितलियां फूलों के पराग का रस चूसती हैं। मधुमक्खियां फूल के पराग से मिठास बटोर-बटोर कर मधु पैदा करती हैं। फूल सुख, चैन और अमन का सूचक है। तनाव, ईर्ष्या, द्वेष और वैर को कोसों दूर रखता है। और वह अपनी सुगंध, मधु, मुस्कान और कोमलता बांट-बांट कर ही अपार स्नेह, प्यार और लगाव पाता है। यही जीवन की सार्थकता का मूलमंत्र है। हर फूल दूसरों की दुष्टता और कुरूपता झेलने के बावजूद प्रेम और दया से सदैव खूबसूरत बना रहता है। जैसे चमेली की बेल उन हाथों पर भी अपने हल्के-फुल्के फूल बरसाती है, जो उसके तने पर कुल्हाड़ी चलाते हैं। फूल हैं ही इतने हसीन कि इनके अंग-संग अनेक प्रेरक प्रसंग जुड़े हैं। एक दफा चमेली के फूल का सहारा लेकर गुरु नानक देव जी ने एक ईर्ष्यालु को अपने विनम्र स्वभाव का परिचय दिया था। हुआ यूं कि गुरु नानक देव मुल्तान पहुंचे, तो वहां पहले से कई धर्म प्रचारक थे। एक संत ने उन्हें दूध से लबालब कटोरा भेजा। गुरु नानक देव ने बगिया से चमेली का एक फूल तोड़ा और दूध पर हल्के से टिका दिया। साथ ही, कटोरा संत को लौटा दिया। दूध का भरा कटोरा वापस आया देख संत के शिष्य तिलमिला गए। शिष्यों को लगा कि गुरु नानक देव ने उनके गुरु का घोर अपमान किया है। संत ने उन्हें शान्त किया, समझाया-वत्स, चिंतित क्यों होते हैं? बात महज इतनी है कि मैंने गुरु नानक देव से प्रश्न किया था। प्रश्न था कि मुल्तान में पहले से ही दूध जैसे नेक-पवित्र चरित्र के संत विद्यमान हैं, फिर उन्हें यहां पधारने की क्या आवश्यकता थी? उन्होंने उत्तर भेजा कि जिस प्रकार कटोरे में लबालब भरे दूध का चमेली के फूल ने कोई हर्ज नहीं किया, बल्कि उसकी शोभा ही बढ़ाई है, वैसे ही चमेली के फूल की भांति मैं भी यहां रहूंगा।' अकेले चमेली ही नहीं, गुलाब, कमल, चंपा, मोंगरा, मोतिया, सूरजमुखी, गेंदा ,गुड़हल, सेमल, कपास आदि तमाम देशी-विदेशी फूल प्रेम, सादगी, खूबसूरती, सद् भावना, सच्चाई, अमन, मित्रता और खुशी का अहसास जगाते हैं। और फिर, असली अपरिग्रही कमल के फूल की भांति होता है। वह जीवनयापन के लिए संसार रूपी तालाब से पदार्थ रूपी जल का सेवन तो करता है, लेकिन कमल की भांति तालाब से निर्लिप्त रहता है। उससे किसी किस्म के मोह के बंधन में नहीं बंधता। इससे त्याग की भावना प्रबल होती है। सयाने बताते हैं कि दिन-प्रतिदिन आध्यात्मिक पुष्प की तलाश मत कीजिए। बीज बोइए और प्रार्थना रूपी उचित प्रयत्न के जल से सिंचन कीजिए। आसपास उगने वाली शंका, अविश्वास और उदासीनता की घास-पात को उखाड़ते-फेंकते रहिए। एक सुबह आत्म साक्षात्कार के आध्यात्मिक पुष्प को अकस्मात् सामने देखेंगे। एक दफा फूल और कांटे में बहस छिड़ गई। कांटे ने फूल से पूछा-भई, तुम्हें ऊपर वाले ने बेकार ही बनाया है। इस कदर कोमल हो कि शीत और ताप के मामूली झोंके के भी नहीं सह पाते। केवल एक-दो दिन खिल कर मुरझाने के तुम्हारी क्षणभंगुरता पर तरस आता है। मुझे देखो, मैं कितने दिनों से जी रहा हूं। तुम्हारे कितने ही पूर्वजों को इसी टहनी पर खिलते-मुरझाते देखा है। लेकिन मेरा अब तक कुछ नहीं बिगड़ा। जानते हो क्यों? क्योंकि मेरे पास जो कोई आता है, उसे चुभ जाता हूं। लोग मुझे छूने की हिम्मत नहीं बटोर पाते। फूल सहजता से बोला, 'बंधु, तुम्हारा कहना सही है। मगर मुझे मरने-जीने का ख्याल ही नहीं आता। उत्सर्ग ही मेरे जीवन का ध्येय बन गया है। मैं चाहता हूं कि मेरा जीवन भले पल-दो पल का हो,लेकिन ऐसा हो कि देखने वाला प्यार और प्रसन्नता से गद् गद हो जाए।' सुन कर, कांटे का घमंड चकनाचूर हो गया। और उसी रोज से, उसने फूलों की रक्षा करना ही अपना कर्तव्य मान लिया। जाहिर होता है कि जीवन तभी सफल होगा, जब फूलों की भांति दूसरों के जीवन में सुगंध फैलाएं। जीवन का सार है कि फूलों की भांति जीवन बेशक क्षण भंगुर हो, लेकिन ऐसा हो कि देखने वाला पल भर में प्यार और खुशी से सराबोर हो जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

India Ratings & Research
A Fitch Group Company

इंडिया रेटिंग्स ने बैंकिंग क्षेत्र के परिदृश्य को नकारात्मक से स्थिर किया

मुंबई: इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने भारत के समूचे बैंकिंग क्षेत्र के परिदृश्य को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए नकारात्मक से स्थिर कर दिया है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी का मानना है कि आगे चलकर खुदरा ऋण खंड में दबाव बढ़ सकता है। इंडिया रेटिंग्स ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के परिदृश्य को नकारात्मक से स्थिर कर दिया है। वहीं निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए परिदृश्य को पहले की स्थिर श्रेणी में कायम रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग प्रणाली में कुल दबाव यानी सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए+पुनगर्ठित ऋण) बढ़कर 30 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। 2020-21 की दूसरी छमाही में खुदरा ऋण खंड में इसमें 1.7 गुना की वृद्धि हो सकती है। एजेंसी के निदेशक (वित्तीय संस्थान) जिंदल हरिया ने कहा, ''पिछले नौ माह के दौरान बैंकों को अपनी पुरानी दबाव वाली परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान को बढ़ाने का मौका मिला। ये दबाव वाली परिसंपत्तियां महामारी से पहले की थीं। हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक इन गैर-निष्पादित आस्तियों पर प्रावधान बढ़कर 75 से 80 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। इससे बैंकों को कोविड के दबाव को झेलने की गुंजाइश मिलेगी।'' एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण की वृद्धि के अनुमान को 1.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया गया है। अगले वित्त वर्ष 2021-22 के लिए इसे 8.9 प्रतिशत किया गया है।

ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी के विस्तार के लिए चांसलर नवीन जिंदल करेंगे 1,000 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। भारत के जाने-माने उद्योगपति, समाजसेवक और ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) के संस्थापक चांसलर नवीन जिंदल ने अगले दशक के लिए जेजीयू विजन 2030 के मुताबिक निकट भविष्य में विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए 1,000 करोड़ के निवेश की अपनी योजना का ऐलान किया है। हरियाणा के सोनीपत में स्थित जेजीयू को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा साल 2019 में इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई) के रूप में मान्यता दी गई थी। इस राशि का उपयोग शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे के विकास, छात्र-छात्राओं को नई विश्व स्तरीय सुविधाएं देने, हॉस्टल, स्कूल, फैकल्टी कार्यालयों का निर्माण करने, बेहतरीन शिक्षण सुविधाओं के लिए किया जाएगा। चांसलर नवीन जिंदल द्वारा जेजीयू विजन 2030 के लिए वित्तीय संसाधनों की यह व्यापक प्रतिबद्धता वित्तीय, शैक्षणिक और भौतिक परिणामों को प्राप्त करने के प्रयासों को बढ़ावा देगी, जो इंस्टीट्यूशनऑफ एमिनेंस बनने की इसकी योजना का आधार रही है। नवीन जिंदल इस पर कहते हैं, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) की स्थापना जीवन के विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट व्यक्तित्वों का निर्माण करने के लिए सीखने और शैक्षणिक छात्रवृत्ति के एक केंद्र के रूप में मेरे पिता श्री ओ. पी. जिंदल के स्मरण में की गई थी। मुझे यह देखकर खुशी होती है कि जेजीयू अपने यहां के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अन्य सभी कर्मचारियों की बौद्धिक उत्कृष्टता और लगातार कड़ी मेहनत के माध्यम से अपने उस उद्देश्य को पूरा कर रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण किया गया है। जेजीयू विजन 2030 में हमने अपने कैंपस का विकास करने और आगे इसके निर्माण की योजना बनाई है। हमारे पास 1,600 संकाय सदस्यों के लिए कार्यालय होंगे, 12,000 से अधिक छात्रों के लिए आवास की सुविधा होगी, एक विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स सेंटर होगा और इन सबके लिए कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह साल नवीन जिंदल के चांसलरशिप और सी. राज कुमार के वाइस-चांसलरशिप की 12वीं वर्षगांठ है। विश्वविद्यालय के उच्च पदों पर आसीन व्यक्तित्वों ने जेजीयूविजन 2030 की नींव रखी है, जो कि विश्व स्तर पर प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ अभिजात वर्ग समूह में प्रवेश करने की आकांक्षा रखता है और साथ में ईमानदार और बुद्धिमान विद्यार्थियों के साथ राष्ट्र-निर्माण में अपना योगदान देने की भी ख्वाहिश रखता है। इस मौके पर ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) के संस्थापक कुलपति सी. राज कुमार ने कहा, साल 2009 में जेजीयू की स्थापना के बाद से विश्व स्तरीय शिक्षण और अनुसंधान संस्थान बनना हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता है।

रिलायंस-फ्यूचर डील में ब्रेक! Amazon की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

बिजनेस डेस्क:

सुप्रीम कोर्ट ने फ्यूचर ग्रुप और रिलायंस इंडस्ट्रीज के सौदे को रेग्युलेटरी अप्रूवल पर रोक लगा दी है। जेफ बेजोस की ई-कॉमर्स कंपनी अमेजॉन ने इस सौदे को अदालत में चुनौती दी थी। देश की रीटेल सेक्टर पर दबदबे के लिए रिलायंस और अमेजॉन में होड़ लगी है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अमेजॉन की याचिका पर सहमति जताते हुए निचली अदालत के फैसले को पलट दिया और कंपनी ट्रिब्यनल को अगले आदेश तक इस डील को मंजूरी देने से रोक दिया। कोर्ट ने साथ ही किशोर बियानी की फ्यूचर रीटेल को नोटिस जारी कर अमेजॉन की याचिका पर लिखित में बयान देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 5 हफ्ते बाद होगी।

क्या है मामला

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने कुछ शर्तों के साथ इस सौदे को मंजूरी दी थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (RRVL) ने फ्यूचर ग्रुप के रिटेल ऐंड होलसेल बिजनेस और लॉजिस्टिक्स ऐंड वेयरहाउसिंग बिजनेस को खरीदने का सौदा पिछले साल किया था। यह डील 24,713 करोड़ में फाइनल हुई है लेकिन फ्यूचर रिटेल की पहले से सहयोगी अमेजॉन ने इस डील पर आपत्ति जताई थी। अमेजॉन ने सिंगापुर में मध्यस्थता अदालत से लेकर सेबी, कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया। यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट में गया और वहां से फ्यूचर रिटेल को राहत मिल गई थी लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के डिवीजन बेंच ने हाईकोर्ट के ही एकल न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (FRL) और रिलायंस रिटेल के बीच हुई डील को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया था।

आरबीआई ने साबइर अपराध के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए पंजाबी रैपर वायरस से किया गठजोड़

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बढ़ती साइबर धोखाधड़ी तथा ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन में आई कई गुना तेजी के बीच लोगों को जागरूक करने के लिए पंजाबी रैपर वायरस से गठजोड़ किया है। रिजर्व बैंक ने सप्ताहांत पर इस मुहिम को अपने ट्विटर हैंडल से आधिकारिक तौर पर जारी किया। इस मुहिम में लोकप्रिय पंजाबी गायक व रैपर वायरस को लिया गया है। रैपर वायरस को अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की फिल्म लक्ष्मी के लिए 'बम भोले गाने को नया रूप देने के बाद खासी लोकप्रियता मिली है। रिजर्व बैंक ट्विटर पर सबसे अधिक फॉलोअर वाला केंद्रीय बैंक है। रिजर्व बैंक महामारी की शुरुआत के बाद से सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय है। रिजर्व बैंक ने इस वीडियो के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध व पहचान की नकल से सुरक्षा के तरीके बताया है। महत्वपूर्ण बात है कि रैपर वायरस ने रिजर्व बैंक के लिए यह वीडियो बिना पैसों के किया है। इस मुहिम में ऑनलाइन लेन-देन करने वालों को रिजर्व बैंक ने सतर्क रहने को कहा है।

DHFL मामला- ऑडिटर ने 6,182 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के एक और लेन-देन का पता लगाया

नई दिल्ली: दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) ने सोमवार को कहा कि उसके लेन-देन की लेखा परीक्षा कर रहे ऑडिटर ग्रांट थॉर्नटन ने कंपनी में 6,182 करोड़ रुपए के एक और फर्जी लेनदेन की सूचना दी है। डीएचएफएल ने शेयर बाजार को भेजी जानकारी में कहा कि कंपनी के प्रशासक ने लेन-देन ऑडिटर के रूप में नियुक्त पेशेवर एजेंसी से एक प्रारंभिक रिपोर्ट प्राप्त की, जिसमें कहा गया है कि कुछ लेनदेन ऐसे हैं, जिनमें मूल्य को कम आंका गया है, धोखाधड़ी वाले हैं और पक्षपाती हैं। कंपनी ने कहा कि इस धोखाधड़ी भरे लेनदेन के मौद्रिक प्रभाव को लगभग 6,182.11 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें 210.85 करोड़ रुपए ब्याज के रूप में हुए नुकसान के भी शामिल हैं। डीएचएफएल का प्रबंधन कंपनी में धोखाधड़ी का पता चलने के बाद अभी दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत नियुक्त प्रशासक के मातहत है। प्रशासक ने कंपनी द्वारा किए गए लेन-देन का ऑडिट करने के लिए ग्रांट थॉर्नटन को नियुक्त किया है।

एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट! 2023 तक पूरा हो जाएगा Jewar Airport

बिजनेस डेस्क:

उत्तर प्रदेश सरकार ने जेवर एयरपोर्ट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। राज्य सरकार ने जेवर हवाई अड्डे के लिए 2,000 करोड़ का बजट दिया है। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को बजट पेश करते समय ये ऐलान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार ने जेवर एयरपोर्ट पर हवाई पट्टियों की संख्या 02 से बढ़ाकर 06 करने का फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेवर हवाई अड्डे को एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में डेवलप करने की योजना बनाई है।

अयोध्या में एयरपोर्ट बनाने को मिला बजट

सरकार ने अयोध्या में बन रहे एयरपोर्ट का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हवाईअड्डा रखने का फैसला लिया है। इसके लिए 101 करोड़ रुपए का बजट रखने की बात कही है। राज्य सरकार ने जानकारी दी कि कुशीनगर एयरपोर्ट को केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट घोषित किया है। ऐसे में राज्य में जल्द ही 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे। इनमें लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और गौमबुद्धनगर एयरपोर्टा होंगे। यूपी सरकार ने जेवर में एयरपोर्ट को बनाने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) को वर्किंग एजेंसी के रूप में नियुक्त किया है। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट विकसित करने के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी को चुना गया है। हवाई अड्डे का पहला चरण 1,334 हेक्टेयर में फैला होगा और इसमें 4,588 करोड़ खर्च होंगे। इसके 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा नाम

उत्तर प्रदेश में Yamuna E&pressway के किनारे बनने वाले जेवर एयरपोर्ट का नाम तय हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के इस सबसे बड़े एयरपोर्ट का नाम और लोगो फाइनल कर लिया है। एयरपोर्ट के नाम को लेकर हुई एक बैठक में ये तय हुआ कि जेवर एयरपोर्ट का नाम %नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट% होगा।

कैट ने GST संबंधी मुद्दों, ई-वाणिज्य नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

नई दिल्ली: खुदरा कारोबारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने 26 फरवरी को अपने भारत बंद के आह्वान से पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। संगठन ने इस पत्र में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था से संबंधित मुद्दों तथा प्रमुख कंपनियों के द्वारा ई-वाणिज्य नियमों के कथित उल्लंघन का जिक्र किया। कैट ने प्रधानमंत्री से जीएसटी संरचना की समीक्षा कर सरकार को सलाह देने के लिये केंद्रीय स्तर पर विशेष कार्य समूह गठित करने की भी मांग की, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, कैट के प्रतिनिधि और स्वतंत्र कर विशेषज्ञ शामिल हों। कैट ने यह सुझाव भी दिया कि जीएसटी के सहज क्रियान्वयन और कर का दायरा व राजस्व बढ़ाने के लिए हर जिले में जिला जीएसटी कार्य समूह का गठन किया जा सकता है। कैट ने कहा कि जीएसटी में कुछ हालिया संशोधनों ने सरकारी अधिकारियों को 'मनमानी और अनैतिक शक्तियां दी हैं। यह न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के प्रधानमंत्री के मिशन के खिलाफ है।

भारी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 1145 अंक लुढ़का

नई दिल्ली:

कोरोना के बढ़ते मामलों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसके चलते शेयर बाजार में सोमवार को लगातार पाचवें दिन गिरावट है। सेंसेक्स 1,145.44 अंकों की भारी गिरावट के साथ 49,744.32 अंक और निफ्टी 306.05 अंकों की गिरावट के साथ 14,675.70 अंक पर बंद हुआ। दोपहर बाद ढाई बजे सेंसेक्स 1100 अंकों की गिरावट के साथ 49720 पर ट्रेड कर रहा था। निफ्टी भी 14700 अंक से नीचे खिसक गया। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और डॉ. रेड्डीज के शेयरों में 4 फीसदी तक की गिरावट आई। निफ्टी के सेक्टोरल इंडेक्सेज की बात करें तो निफ्टी मेटल इंडेक्स को छोड़कर बाकी सभी गिरावट पर चल रहे हैं। ब्रॉडर मार्केट्स में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.7 फीसदी और 0.4 फीसदी की गिरावट पर हैं।

सुबह का सत्र

इससे पहले वैश्विक बाजारों के नरम संकेतों के बीच बड़ी कंपनियों के शेयर गिरने से सोमवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 200 अंक से अधिक लुढ़क गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स एक समय गिरकर 50,685.42 अंक पर आ गया। हालांकि बाद में इसने कुछ नुकसान की भरपाई की और 65.13 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,824.63 अंक पर चल रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी 8.40 अंक यानी 0.06 प्रतिशत नीचे 14,973.35 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी में दो फीसदी के आसपास गिरावट रही। इसके बाद एमएंडएम, डॉ रेड्डीज, मारुति, एचडीएफसी, टीसीएस और बजाज ऑटो जैसी कंपनियों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर, ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और इंफोसिस के शेयर लाभ में रहे। पिछले सत्र में सेंसेक्स 434.93 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,889.76 अंक पर और निफ्टी 137.20 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,981.75 अंक पर बंद हुआ था।

विदेशी बाजारों का हाल

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार रहे। उन्होंने शुक्रवार को 118.75 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त में थे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की गिरावट में थे। इस बीच, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.06 फीसदी बढ़कर 62.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सोनी ने लॉन्च किया वायरलेस स्पीकर, कीमत 19,990 रुपये

नई दिल्ली। सोनी ने सोमवार को भारतीय बाजार में 19,990 रुपये की कीमत में अपने नए प्रीमियम वायरलेस स्पीकर एसआरएस-आर3000 की घोषणा की है। भारत में इस प्रोडक्ट को 24 फरवरी से सोनी के सभी रिटेल स्टोर्स, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट शॉपएटएससी डॉट कॉम पोर्टल, इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स की कुछ बड़ी दुकानों और विशेष तौर पर अमेजन ई-कॉमर्स पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा, बाकी के स्पीकर्स जो हॉरीजंटली साउंड का प्रसार करते हैं, उनसे अलग यह नया आरए3000 स्पीकर सोनी के 360 रिएलिटी ऑडियो कंटेंट प्लेबैक और बेहतरीन ऑडियो के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक को हॉरीजंटली (वॉल टू वॉल)और वर्टिकली (फ्लोर टू सिलिंग) दोनों तरीकों से फैलाता है। सोनी का यह नया स्पीकर यूनिक एल्गोरिथम पर आधारित इमर्सिव ऑडियो एन्हांसमेंट प्रदान करता है और यह 2-चैनल स्टीरियो ट्रैक्स को एंबियंट रूम-फिलिंग साउंड में बदलता है। स्पीकर को स्पोटिफाई संग आराम से कनेक्ट किया जा सकता है। फुल रिमोट कंट्रोल के लिए अपने डिवाइस पर स्पोटिफाई कनेक्ट ऐप का इस्तेमाल करते हुए इसे डायरेक्टली भी प्ले किया जा सकता है।

पेट्रोल-डीजल के बाद प्याज की कीमतों ने बिगाड़ा बजट, डेढ़ महीने में दोगुना हुआ भाव

बिजनेस डेस्क:

पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों से परेशान आम आदमी को अब प्याज भी रुलाने लगा है। देश की राजधानी दिल्ली और आस-पास के इलाकों के थोक बाजार में प्याज का भाव 50 रुपए के करीब चल रहा है। वहीं, इसकी खुदरा कीमत 65 से 75 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। बता दें पिछले डेढ़ महीने में प्याज का भाव दोगुना हो गया है। वहीं, सबसे बड़ी मंडी लासलगांव में ही प्याज का भाव दो दिन में 1000 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया है। मीडिया खबरों के मुताबिक लासलगांव मंडी में प्याज का औसत थोक भाव पिछले 2 दिनों में 970 रुपए प्रति क्विंटल बढ़कर 4200-4500 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गया। नासिक के लासलगांव से देश भर में प्याज भेजा जाता है। कुछ समय पहले महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात होने और ओले पड़ने की वजह से प्याज की फसल को काफी नुकसान हुआ है। इससे थोक मंडी में प्याज की आवक कम हो गई। प्याज महंगा होने की यही सबसे अहम वजह बताई जा रही है।

और बढ़ सकती है कीमत

शनिवार को लासलगांव में प्याज का औसत भाव 4250-4,551 प्रति क्विंटल के करीब था। खरीफ वैरायटी के प्याज के लिए इसका भाव 3,870 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया था।

एक व्यापरी के मुताबिक बारिश के चलते प्याज की कीमत में इजाफा हुआ है। 20 फरवरी को लासलगांव मंडी में प्याज के भाव 3,500-4,500 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा था। आने वाले दिनों में प्याज के और महंगा होने की आशंका है। कई व्यापारियों ने बताया कि खरीफ फसलों की आपूर्ति में कमी आई है। प्याज के दाम ऐसे समय में बढ़ रहे हैं जब देशभर में नए कृषि कानून को लेकर किसान धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इन नए कृषि कानूनों में आवश्यक वस्तु अधिनियम को संसद में संशोधित किया गया था। पिछले साल आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (Essential Commodities Act- 1955) के दायरे से आलू, प्याज, दाल-चावल, खाद्य तेल-तिलहन जैसी वस्तुओं को हटा दिया गया है यानी अब इन वस्तुओं के भंडारण की सीमा (Stock Limit) हट गई है। अब इन वस्तुओं का ज्यादा भंडारण करने पर जेल नहीं होगी।

आयकर विभाग ने की सोया समूह के परिसरों की तलाशी, मिला 450 करोड़ रुपए का कालाधन

नई दिल्ली:

आयकर विभाग ने मध्य प्रदेश के सोया उत्पाद बनाने वाले समूह के परिसरों की तलाशी में 450 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। तलाशी 18 से 22 फरवरी के बीच समूह के बैतूल और सतना (मध्य प्रदेश), मुंबई और सोलापुर (महाराष्ट्र) तथा पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ली गई। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, ''लैपटॉप, हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव जैसे डिजिटल मीडया में कुछ ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जो समूह को दोषी ठहराते हैं। सीबीडीटी के बयान के अनुसार, ''अब तक की जांच से 450 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला है। बयान में कहा गया है कि आठ करोड़ रुपए से ज्यादा के नकद और विभिन्न देशों की 44 लाख से अधिक की विदेशी मुद्रा जब्त की गई है। समूह ने आठ करोड़ रुपए के स्रोत का पता नहीं बताया। इसके अलावा जांच के दौरान नौ बैंक लॉकर भी पाए गए। बयान में कहा गया है, ''समूह ने कोलकाता स्थित मुखौटा कंपनियों से भारी प्रीमियम पर शेयर पूंजी के माध्यम से 259 करोड़ रुपए की बेहिसाब आय अर्जित की है।%% समूह ने जिन कंपनियों का दावा किया, उनमें से कोई भी दिए गए पते पर परिचालन में नहीं थी। बयान के अनुसार समूह ने समूह की इकाई के शेयर बिक्री पर गलत तरीके से 27 करोड़ रुपए के दीर्घकालीन पूंजी लाभ (एलटीसीजी) छूट का भी दावा किया।

जांच में पाया गया कि इन शेयरों की खरीद सही नहीं थी।

डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़ेंगे उत्तराखंड के चारधाम क्षेत्र और 12 हजार ग्राम

नई दिल्ली।

उत्तराखंड में भारत नेट 2.0 प्रोजेक्ट को भारत सरकार की हरी झंडी मिल गयी है। इसके तहत उत्तराखंड के 12 हजार ग्राम इंटरनेट से जोड़े जाएंगे। उत्तराखंड में चारधाम क्षेत्र की डिजिटल कनेक्टिविटी और बॉर्डर एरिया में भी इंटरनेट कनेक्टिविटी को सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। डिजिटल कनेक्टिविटी के विषय पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद से मुलाकात भी की है। इस वार्ता में चारधाम क्षेत्र की डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने पर सहमति बनी। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि बॉर्डर एरिया में इंटरनेट कनेक्टिविटी के सुदृढ़ीकरण के लिये प्रोजेक्ट बनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में इंडिया एंटरप्राइज आर्टिक्र र परियोजना शीर्ष प्राथमिकता से लागू किये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकृत भारतनेट फेज-2 परियोजना के प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन शीघ्र करने का भी आग्रह किया है। उत्तराखंड की कठिन भौगोलिक, महत्वपूर्ण सामरिक स्थिति और आपदा के प्रति संवेदनशीलता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, भारतनेट परियोजना की स्टेट-लेड मॉडल में समयबद्धता के साथ क्रियान्विति बहुत जरूरी है। परियोजना में अनावश्यक विलम्ब न हो, इसके लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन जल्द से जल्द दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया एंटरप्राइज आर्टिक्र र परियोजना मे उत्तराखण्ड को भी शामिल किया जाए, ताकि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे विभागों की कार्यप्रणाली को राज्यव्यापी कम्प्यूटरीकृत किया जा सके। कोरोना संकट से सीख लेते हुए ऐसा किया जाना बहुत आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को हरसम्भव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया है। इससे पहले भूकंप पूर्व चेतावनी तंत्र के संचालन पर होने वाले व्यय के लिए राज्य सरकार ने 45 लाख जारी करने पर सहमति दी है। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव एसए मुरूगेशन की ओर से इसका जीओ जारी कर दिया गया है। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया था। राज्य में भूकंप पूर्व चेतावनी तंत्र के क्रियान्वयन के लिए भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान रुड़की द्वारा 15 भूकंप सेंसर लगाए गए थे। जो वर्तमान में खराब हो गए हैं।

गौतम ठाकर ओएलएक्स ऑटोस के ग्लोबल सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली।

प्रोसस के स्वामित्व वाली ओएलएक्स ग्रुप ने सोमवार को कहा कि उसने पूर्व स्टार स्पोर्ट्स प्रेसिडेंट और सीईओ गौतम ठाकर को इस साल के 15 मार्च के अपने पूर्व स्वामित्व वाले कार मार्केट ओएलएक्स ऑटो के ग्लोबल सीईओ के पद पर नियुक्त किया है। ठाकर पूरे एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और अमेरिका में 4,000 से अधिक कर्मचारियों के कार्यबल के साथ एक विश्वव्यापी संगठन का नेतृत्व करेंगे। ओएलएक्स ऑटोस अमेरिका, एशिया और अफ्रीका में 500 से अधिक निरीक्षण केंद्रों के अलावा ऑनलाइन डिजिटल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म चलाता है, प्रत्येक वर्ष 300,000 वाहनों का निरीक्षण करता है और 130,000 वाहन लेनदेन सक्षम करता है। ओएलएक्स ग्रुप के सीईओ मार्टिन स्चेपबौवर ने एक बयान में कहा, मैं ओएलएक्स ऑटो के ग्लोबल सीईओ के रूप में गौतम का स्वागत करते हुए बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, वह एक असाधारण सामान्य प्रबंधन ट्रैक रिकॉर्ड, मजबूत ग्राहक अभिविन्यास, गहन बाजार अनुभव, और एक वैश्विक पदचिह्न पर अग्रणी और प्रेरणादायक टीमों सहित इस रोमांचक अवसर के लिए क्षमताओं का एक अनूठा सेट लाता है। हाल ही में, ठाकर भारत में स्टार स्पोर्ट्स के सीईओ थे, जिसे वॉल्ट डिजनी कंपनी द्वारा अधिग्रहित किया गया था।

इससे पहले, ठाकर एक दशक से अधिक समय से अमेरिका में थे। उन्हें पूर्व वैश्विक सीईओ के रूप में डिजिटल मार्केटप्लेस में नेतृत्व का अनुभव प्राप्त है।

ठाकर बाजी डॉट कॉम की संस्थापक प्रबंधन टीम का एक हिस्सा थे।

उन्होंने 2005 में ईबे द्वारा अधिग्रहीत होने से पहले भारत में ई-कॉमर्स का नेतृत्व किया था। ठाकर ने अपनी नियुक्ति पर कहा, मुझे प्रभावशाली और वैश्विक ओएलएक्स ऑटोस टीम का नेतृत्व करने का अवसर और जिम्मेदारी मिली है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ला लिगा : लियोनेल मेस्सी के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि

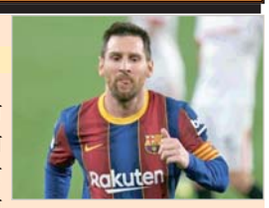

बार्सिलोना । लियोनेल मेस्सी ने अपने रिकार्ड 506वें मैच में गोल दागा लेकिन इसके बावजूद कैडिज ने बार्सिलोना को 1-1 से ड्रा पर रोककर उसकी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में खिताब की उम्मीदों को करारा झटका दिया। चैंपियन्स लीग में पेरिस सेंट जर्मेन से 4-1 से हार के बाद बार्सिलोना स्पेनिश लीग के मैच में जीत की तरफ बढ़ रहा था लेकिन कैडिज को 88वें मिनट में पेनल्टी मिली जिसे स्थानापन्न अलेक्स फर्नांडिज ने गोल में बदल दिया। मेस्सी ने स्पेनिश लीग में रिकार्ड 506वें मैच में उतरकर 32वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके बार्सिलोना को आगे कर दिया था। इसके बाद भी बार्सिलोना को गोल करने के कई मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा पाया। बार्सिलोना लीग में अभी तीसरे स्थान पर है लेकिन वह शीर्ष पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से आठ अंक और दूसरे नंबर की टीम रीयाल मैड्रिड से पांच अंक पीछे है। अन्य मैचों में रीयाल सोसिडाड ने अलेक्सांद्र इसाक की हैट्रिक की मदद से एल्वेस को 4-0 से हराया और इस तरह से यूरोपा लीग में मैनचेस्टर यूनाईटेड के हाथों से इसी अंतर से हार के बाद शानदार वापसी की। विल्लारीयाल ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला जबकि हुएस्का ने ग्रेनाडा को 3-2 से हराया।

आईएसएल-7 : हाईलैंडर्स को प्लेऑफ में जाने से रोकना चाहेगा ईस्ट बंगाल

फातोर्दा (गोवा)।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अब एससी ईस्ट बंगाल के लिए कुछ नहीं बचा है। वह सिर्फ अपने मान बचाने के लिए खेलना चाहेगी। मंगलवार को फातोर्दा स्टेडियम में उसका सामना जिस नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी से होना है, उसके लिए हालांकि प्लेऑफ में जाने की उम्मीदें अभी बची हुई हैं। ईस्ट बंगाल के पास प्लेऑफ में जाने का मौका था लेकिन उसके अटैक ने उसे नीचा दिखाया। 21 जनवरी के बाद से कोलकाता की यह टीम छह मैचों में सिर्फ पांच गोल कर सकी है। इस दौरान उसने इन मैचों में सिर्फ 13 शॉट्स गोल पर लिए हैं। अब उसके खाते में दो मैच बचे हैं। ऐसे में सहायक कोच टोनी ग्रैंट मानते हैं अब उनकी टीम असल परीक्षा से गुजरेगी क्योंकि उसे अपना आगे का हर मैच जीतना है और इस क्रम में उसका सबसे पहले सामना हाईलैंडर्स नाम से मशहूर पूर्वोत्तर की टीम से होना है। ग्रैंट ने कहा, इस क्लब के लिए खेलने के लिए आपको अलग तरह की तैयारी करनी होती है। अब क्वालिटी दिखाने का समय है और अब आपका असल टेस्ट होगा। हाईलैंडर्स के पास प्लेऑफ में जाने का पूरा मौका है लेकिन उसे अब अपने दोनों मैच जीतने हैं। ग्रैंट ने कहा, मैं समझता हूं कि हाईलैंडर्स शानदार टीम है। इस टीम ने शानदार तरीके से सीजन की शुरुआत की। इस टीम के पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। यह टीम टॉप-4 में रही थी और यह ऊपर जाने की हकदार है। हमें इस टीम के खिलाफ अच्छा खेल दिखाना होगा और इसके लिए हमें शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। इस बीच, हाईलैंडर्स के लिए यह काफी अहम मुकाम है। यह टीम अब हार झेल नहीं सकती। टीम ने खालिद जमील के कोच बनने के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है और उनकी देखरेख में यह सात मैचों में अजेय है। यह सब अच्छे अटैक के कारण सम्भव हो सका है। इस टीम के अटैक ने सात मैचों में 14 गोल किए हैं। हाईलैंडर्स को प्लेऑफ में जाने के लिए अपने अगले दो मैच जीतने हैं लेकिन सहायक कोच एलिसन के. ने कहा है कि उनकी टीम अभी फिलहाल ईस्ट बंगाल के साथ होने वाले मुकाबले पर ही फोकस कर रही है। एलिसन ने कहा, हम कल होने वाले मुकाबले पर ध्यान लगाए हुए हैं। हम इसके बाद ही अंतिम मैच के बारे में सोचेंगे। कल का हमारा मैच काफी अहम है। हमें अच्छा खेलना होगा। हमें अच्छी तरह डिफेंड भी करना होगा साथ ही हमें अटैक भी अच्छा खेलना होगा। हमें मौके बनाने होंगे और उनका फायदा उठाना होगा। हमें 100 फीसदी देना होगा। हम इस मैच को हल्के में नहीं ले सकते। हमें अपनी इच्छाशक्ति दिखानी होगी और 90 मिनट तक बिना रुके खेलते हुए तीन अंक हासिल करने होंगे।

लॉकडाउन के बाद पहले मैच को लेकर तैयार मैरीकोम, बोलीं- आप डरकर नहीं जी सकते

नई दिल्ली ।

कोरोना वायरस के डर ने भारतीय मुक्केबाज एम सी मैरीकोम में प्रतिस्पर्धा की तीव्र इच्छा जगा दी है और वह अब पिछले एक साल में अपने पहले टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार हैं। इस 37 वर्षीय खिलाड़ी ने 2020 में अधिकतर समय घर में ही अभ्यास किया और डेंगू से उबरने के बाद पिछले महीने ही उन्होंने 15 दिन के लिए बेंगलुरू में शिविर में हिस्सा लिया था। वह पिछले साल जोर्डन में एशियाई क्वालीफायर्स के जरिए तोक्यो ओलंपिक में जगह बनाने के बाद अब वह स्पेन में बोक्साम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के जरिए पहली बार रिंग में उतरेगी। यह टूर्नामेंट अगले सप्ताह शुरू होगा। मैरीकोम ने कहा- मैं यात्रा करने से डर रही थी और मैं बेहद सतर्क और चिंतित थी लेकिन आप कब तक डरकर जी सकते हो। किसी न किसी मोड़ पर तो इसे रोकना होगा। किसी को भी वायरस से बचने के लिए समझदार होना चाहिए और मैं अपनी तरफ से यही प्रयास कर रही हूं। मास्क पहन रही हूं और हमेशा की तरह स्वच्छता बनाए रखने पर ध्यान दे रही हूं। लेकिन इससे डरते रहना जैसे कि मैं लंबे समय तक डरती रही, शायद ऐसा नहीं होना चाहिए। महामारी के कारण मैरीकोम इससे पहले अभ्यास के लिए विदेशी दौरों पर जाने से बचती रही लेकिन अब वह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके आठ अन्य मुक्केबाजों के साथ एक से सात मार्च तक कैस्टीलोन में होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेगी। भारतीय टीम के इस सप्ताहांत रवाना होने की संभावना है।

जर्मनी की ग्रेंकेबैंक टीम नें जीती विश्व कॉर्पोरेट शतरंज चैंपियनशिप

नई दिल्ली (निकलेश जैन) फीडे विश्व कॉर्पोरेट शतरंज ऑनलाइन चैंपियनशिप का पहला संसकरण का खिताब जर्मनी के खाते मे आया और रूस को उपविजेता के स्थान से संतोष करना पड़ा । जर्मनी के बडेन बडेन में स्थित ग्रेंके बैंक की टीम नें रूस की एसबीईआर टीम को बेस्ट ऑफ टू के मुक़ाबले मे बेहद करीबी स्कोर 2-2 और 2.5-1.5 के अंतर से पराजित कर दिया । एसबीईआर के टीम मे विश्व नंबर 4 इयान नेपोंनियची भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके तो ग्रेंके के विश्व के 160वे नंबर के खिलाड़ी जॉर्ज मेएर नें टीम को जीत दिला दी । ग्रेंके नें 78 देशो की 288 कॉर्पोरेट टीम के बीच में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब हासिल किया प्रतियोगिता मे विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन समेत कुल 1467 खिलाड़ियों नें भाग लिया ।ग्रेंके की टीम मे उनके अलावा टीम महिलाओं नें भाग लिया जो थी अलिना काशलिन्सक्या ,क्लेक मारी और इनना अगरेस्ट शामिल थे जबकि एसईबीआर टीम मे अलेक्ज़ेंडर कड़तस्की मकसीम लावरोव और मारिया कोमीयगीना शामिल थे ।

बड़े खिताब जीतने के मामले में फेडरर और नडाल से काफी आगे निकले जोकोविच

मेलबोर्न ।

रिकॉर्ड 9वां ऑस्ट्रेलियन ओपन और 18वां ग्रैंड स्लेम खिताब जीतने वाले विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच सर्वाधिक बड़े खिताब जीतने के मामले में स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और स्पेन के राफेल नडाल से काफी आगे निकल गए हैं। जोकोविच ने रूस के डेनिल मेदवेदेव को रविवार को 7-5, 6-2, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। उन्होंने इस जीत के साथ ग्रैंड स्लेम खिताब जीतने के मामले में फेडरर और नडाल से अपना फासला कम कर लिया है। वह फेडरर और नडाल के 20 ग्रैंड स्लेम खिताबों के विश्व रिकॉर्ड से 2 खिताब पीछे रह गए हैं। जोकोविच इसके साथ ही एक ग्रैंड स्लेम को 9 बार जीतने वाले नडाल के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। नडाल ने फ्रेंच ओपन को 13 बार जीता है। बड़े खिताबों में ग्रैंड स्लेम, एटीपी वर्ल्ड टूर फाइनल्स, एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट और ओलम्पिक एकल स्वर्ण पदक को शामिल किया जाता है। जोकोविच के 59 बड़े खिताब हैं जबकि नडाल के 56 और फेडरर के 54 हैं। सर्बियाई खिलाड़ी ने पिछले 10 सत्रों में से नौ में कम से कम एक बड़ा खिताब जरूर जीता है। जोकोविच के 59 बड़े खिताबों में 18 ग्रैंड स्लेम , पांच एटीपी फाइनल्स और 36 मास्टर्स 10000 खिताब जीते हैं जबकि नडाल ने 20 ग्रैंड स्लेम , एक ओलम्पिक स्वर्ण और 35 मास्टर्स 10000 खिताब, फेडरर ने 20 ग्रैंड स्लेम, छह एटीपी फाइनल्स और 28 मास्टर्स 1000 खिताब जीते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दूसरा ग्रां प्री एथलेटिक्स गुरुवार से पटियाला में, नीरज और शिवपाल भी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा गुरुवार को पटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनआईएस) कैंपस में होने वाले एकदिवसीय इंडियन ग्रां प्री एथलेटिक्स मीट के दूसरे चरण के दौरान एक्शन में दिखाई देंगे। 23 साल के एशियाई खेल चैंपियन चोपड़ा दो महीने से भुवनेश्वर में अन्य प्रमुख भाला फेंक एथलीटों के साथ प्रशिक्षण कर रहे थे। एक राष्ट्रीय स्तर के कोच ने कहा, सभी भाला फेंकने वाले एथलीट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पटियाला पहुंच गए हैं। चोपड़ा ने पिछले साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका की घरेलू प्रतियोगिता के दौरान 87.86 मीटर की दूरी के साथ टोक्यो ओलंपिक खेलों का कोटा हासिल किया था, जो ओलंपिक योग्यता के 85 मीटर से बेहतर था। इसके बाद, चोपड़ा ने यूरोप में प्रशिक्षण की योजना बनाई थी, लेकिन उन्होंने वैश्विक कोविड महामारी के कारण अपनी योजनाओं को रोक दिया था। एशियाई पदक विजेता शिवपाल सिंह 23 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले अन्य हाई प्रोफाइल भाला फेंक एथलीट हैं। 24 वर्षीय एथलीट ने पिछले साल मार्च में दक्षिण अफ्रीका में 85.47 मीटर का थ्रो दर्ज किया था। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आईजीपी के दूसरे चरण में महिला भाला फेंक एथलीटों को भी शामिल किया है। महिला भाला फेंक में मुख्य आकर्षण उत्तर प्रदेश की 27 वर्षीय अन्नू रानी होंगी। हालांकि 2019 के दोहा विश्व चैंपियनशिप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, लेकिन वह 64 मीटर के ओलंपिक क्वालीफाइंग मार्क को प्राप्त करने में विफल रही थीं। क्वालीफिकेशन में उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 62.43 मीटर था। हालांकि, वह फाइनल में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकीं। अधिकांश शीर्ष एथलीटों ने 18 फरवरी को पटियाला में आयोजित आईजीपी के पहले चरण को छोड़ दिया था। इसके लिए किसी ने कोई कारण नहीं बताया था।

बेन स्टोक्स ने बताया टेस्ट बल्लेबाज होने का मतलब, भारतीय पिचों पर भी की बात

अहमदाबाद । भारत में स्पिनरों की मददगार पिचों को लेकर चर्चा को दरकिनार करते हुए इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा कि टेस्ट खिलाड़ियों को हर तरह की परिस्थितियों में खेलने का आदी होना चाहिए। बुधवार से शुरू होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से पहले मोटेरा में नए सिरे से तैयार किए गए मैदान की पिच कैसा व्यवहार करेगी यह स्टोक्स को पता नहीं है लेकिन उनका मानना है कि शीर्ष स्तर के क्रिकेटरों को हर तरह की परिस्थितियों का सामना करने के लिये तैयार रहना चाहिए। स्टोक्स के मुताबिक, 'एक टेस्ट बल्लेबाज होने का मतलब है कि आपको हर तरह की परिस्थिति का सामना करने में सक्षम होना चाहिए। भारत ऐसा स्थान है जहां विदेशी बल्लेबाजों के लिए सफलता हासिल करना बहुत मुश्किल होता लेकिन इंग्लैंड में भी ऐसा होता है। उन्होंने कहा, 'और यह चुनौती खेल का हिस्सा है और इसलिए हम इसे पसंद करते हैं।

रिंग में लौटेंगे बॉक्सर विजेंदर, अगली फाइट भारत में होगी या नहीं, की स्थिति स्पष्ट

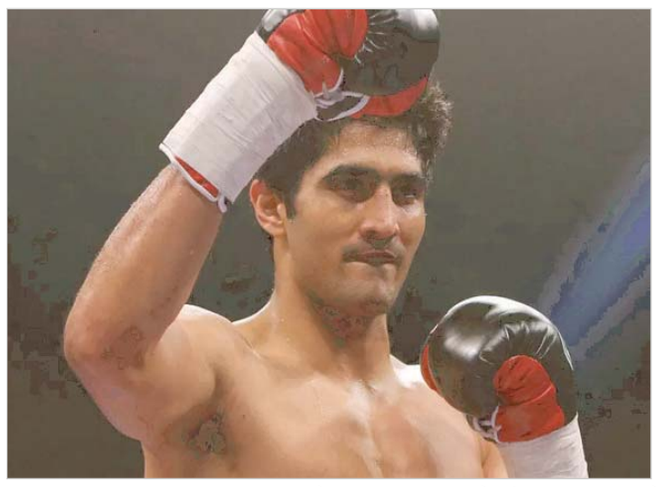

नई दिल्ली ।

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह कोविड-19 महामारी के कारण एक साल से भी अधिक समय तक बाहर रहने के बाद अगले महीने रिंग में वापसी करेंगे और उनके प्रतिद्वंद्वी की घोषणा जल्द की जाएगी। यह मुकाबला भारत में होगा लेकिन इसके स्थान का खुलासा बाद में किया जाएगा। विजेंदर के प्रमोटर्स आईओएस बॉक्सिंग प्रमोशन ने बयान में कहा- प्रमोटर्स उनके प्रतिद्वंद्वी, तिथि और स्थान को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं लेकिन विजेंदर सिंह पेशेवर मुक्केबाजी में 12-0 (आठ नाकआउट जीत) के अपने अजेय अभियान को आगे बढ़ाने के लिए मार्च में निश्चित तौर पर रिंग में उतरेंगे। इसमें कहा गया है- इस मुकाबले के साथ युवा और प्रतिभाशाली मुक्केबाजों के भी आपस में मुकाबले होंगे। विजेंदर मौजूदा डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल और डब्ल्यूबीओ एशिया पैसेफिक सुपर मिडिलवेट चैंपियन हैं। उन्होंने नवंबर 2019 में अपना आखिरी मुकाबला लड़ा था। यह विजेंदर का भारत में पांचवां मुकाबला होगा। इससे पहले वह नई दिल्ली, मुंबई और जयपुर में मुकाबले लड़ चुके हैं। यह भारतीय पिछले एक महीने से कड़ा अभ्यास कर रहा है और मुकाबले के लिए तैयार है। विजेंदर ने कहा- मैं रिंग में लौटने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं और मुकाबले के लिए खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। प्रतिद्वंद्वी वास्तव में मायने नहीं रखता है क्योंकि मैं अपने विजय अभियान को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहा हूं।

रामकुमार रामनाथन सिंगापुर ओपन से बाहर

सिंगापुर । भारत के रामकुमार रामनाथन सोमवार को यहां अमेरिका के टारो डेनियल के खिलाफ तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में हारने से सिंगापुर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल से बाहर हो गए। विश्व में 200वीं रैंकिंग के रामकुमार ने पहले दौर का यह मुकाबला दो घंटे छह मिनट में 3-6, 7-6(3), 3-6 से गंवाया। रामकुमार के पास अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ ब्रेक प्वाइंट लेने के दो मौके थे लेकिन वह इनका फायदा नहीं उठा पाए। यह रामकुमार की डेनियल के खिलाफ दो मैचों में दूसरी हार है। इससे पहले वह 2012 में आईटीएफ फ्यूचर्स प्रतियोगिता में भी अमेरिकी खिलाड़ी से हार गए थे। रामकुमार ने युगल में पुरव राजा के साथ मिलकर जोड़ी बनाई है और उनका सामना कोरिया के एस केवोन और जापान के वाइ युचियामा से होगा। रोहन बोपन्ना, जीवन नेदुचेझियन और एन श्रीराम बालाजी भी इस तीन लाख डॉलर इनामी हार्डकोर्ट टूर्नामेंट के युगल में भाग ले रहे हैं। सभी की निगाहें हालांकि युकी भांबरी पर टिकी रहेंगी जो कि दो साल से भी अधिक समय के बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी कर रहे हैं। वह पहले दौर में आस्ट्रेलिया के मैथ्यू इबडेन से भिड़ेंगे जो आस्ट्रेलियाई ओपन के मिश्रित युगल में सामंता स्टोसुर के साथ उप विजेता रहे थे।

दुती चंद इंडियन ग्रां प्री एथलेटिक्स में हिस्सा नहीं लेंगी

पटियाला। ओडिशा की अंतरराष्ट्रीय धावक दुती चंद गुरुवार को पटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनआईएस) कैंपस में होने वाले एकदिवसीय इंडियन ग्रां प्री मीट के दूसरे चरण में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि एनआईएस कैंपस पहुंचने के बाद उन्हें सख्त क्वारंटीन नियमों का पालन करने के बावजूद सुविधाओं का उपयोग करने की इजाजत नहीं मिली। दुती के कोच कोच एन. रमेश ने यह जानकारी दी। 18 फरवरी को पटियाला में ही आयोजित पहले चरण में जीत हासिल करने के बाद, 25 वर्षीय दुती ने एनआईएस परिसर में रहकर दूसरे चरण में प्रतिस्पर्धा करने की योजना बनाई थी। लेकिन एनआईएस परिसर में सुविधाओं का उपयोग करने के लिए सख्त सात दिनों के क्वारंटीन नियमों के पालन के बाद अधिकारियों के फैसलों ने उन्हें योजना में बदलाव करने पर मजबूर किया। रमेश ने आईएएनएस को बताया, सात दिनों के क्वारंटीन के दौरान, दुती को बताया गया कि उसे एनआईएस में जिम का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उसे यह भी कहा गया था कि वह शिविर में रहने वाले अन्य स्प्रिंटर्स के साथ प्रशिक्षण नहीं ले सकती है। इसलिए, यहां रहने का कोई फायदा नहीं था।

मोटेरा पिच पर अभी काफी घास है, दूसरे टेस्ट मैच से अधिक भिन्न नहीं होगी पिच : एंडरसन

अहमदाबाद।

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडसरन का मानना है कि सरदार पटेल मोटेरा स्टेडियम की नई तैयार की गई पिच पर अभी भले ही हरी घास दिख रही है लेकिन उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत के खिलाफ दिन रात्रि टेस्ट मैच के शुरू होने से पहले तक उसे काट दिया जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच बुधवार से दूधिया रोशनी में खेला जाएगा। एंडरसन का मानना है कि मोटेरा की पिच चेपॉक में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की पिच से बहुत ज्यादा भिन्न नहीं होगी। इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 317 रन से गंवाया था। एंडरसन ने ब्रिटिश मीडिया के साथ वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'पिच पर अभी घास है लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि जब हम मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेंगे तो पिच पर यह घास नहीं होगी।% उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें इंतजार करना होगा। एक तेज गेंदबाज होने के नाते हमें हर तरह की परिस्थितियों में अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहना होगा। अगर स्विंग मिलता है तो यह शानदार होगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें तब भी अपनी भूमिका निभानी होगी।% एंडरसन ने कहा कि उन्होंने गुलाबी एसजी गेंद से नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी की और उन्हें लगता है कि यह लाल एसजी गेंद की तुलना में अधिक स्विंग करती है। उन्होंने कहा, 'यह भारत में गुलाबी गेंद से दूसरा और फरवरी में पहला टेस्ट मैच होगा। इसलिए हम नहीं जानते कि यह कैसे व्यवहार करेगी।% एंडरसन ने इसके साथ ही इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की रोटेशन नीति का बचाव करते हुए आलोचकों से टीम के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इसकी व्यापक तस्वीर पर गौर करने का आग्रह किया। इंग्लैंड ने रोटेशन नीति के चलते जॉनी बेयरस्टॉ और मार्क वुड को भारत के खिलाफ पहले 2 टेस्ट मैचों से बाहर रखा और अब आखिरी 2 टेस्ट मैचों के लिए उनकी वापसी हुई है। विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर पहले टेस्ट मैच के बाद जबकि आलराउंडर मोईन अली दूसरे मैच के बाद स्वदेश लौट गये।

एंडरसन ने कहा, 'आपको व्यापक तस्वीर पर गौर करना चाहिए। इसके पीछे विचार यह था कि अगर मैं उस टेस्ट (दूसरे मैच) में नहीं खेल पाया तो इससे मुझे गुलाबी गेंद से होने वाले टेस्ट के लिए अधिक फिट होकर मैदान पर उतरने का मौका मिलेगा। केविन पीटरसन सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने ईसीबी की नीति की आलोचना की और कहा कि उसे भारत के खिलाफ इस बड़ी श्रृंखला में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी उतारने चाहिए। एंडरसन श्रृंखला के पहले मैच में खेले और उन्होंने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभायी। दूसरे मैच में उन्हें विश्राम दिया गया था। उन्होंने कहा, 'मैं अच्छा और तरोताजा महसूस कर रहा हूं और मौका मिलने पर फिर से खेलने के लिये तैयार हूं।

विजय हजारे ट्रॉफी : अश्विन हेब्बार के शतक से आंध्र ने तमिलनाडु को हराया

इंदौर । अश्विन हेब्बार के नाबाद 101 रन की मदद से आंध्र ने विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में तमिलनाडु को 7 विकेट से हरा दिया। आंध्र के कप्तान जी हनुमा विहारी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। तमिलनाडु की टीम 41.3 ओवर में 176 रन पर आउट हो गई। बाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज सी स्टीफन, आफ स्पिनर शोएब मोहम्मद खान ने तीन तीन और मध्यम तेज गेंदबाज गिरिनाथ रेड्डी ने 2 विकेट लिए। गिरिनाथ ने सी हरि निशांत और एन जगदीशन की सलामी जोड़ी को क्रमशः चार और 11 के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा। तमिलनाडु का स्कोर 2 विकेट पर 23 रन था। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली तमिलनाडु की टीम इन झटकों से उबर ही नहीं सकी। बाबा अपराजित ने सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि कप्तान दिनेश कार्तिक सात और एम शाहरूख खान 19 रन बनाकर आउट हो गए। जवाब में हेब्बार ने दूसरे छोर से विकेटों के पतन के बावजूद शतकीय पारी खेली। रिकी भुई ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 41 गेंद में नाबाद 52 रन बनाए जिसमें छह चौके और दो छक्के शामिल थे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

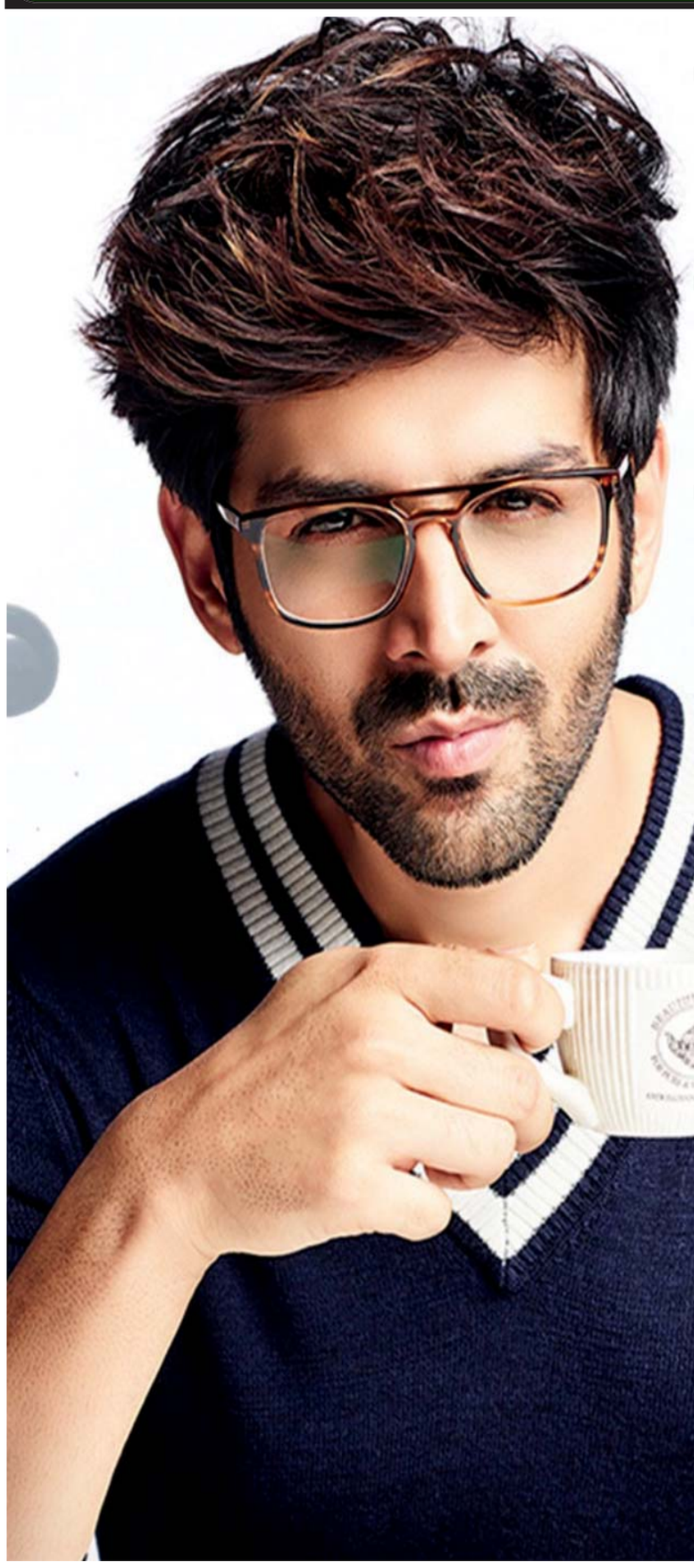

कार्तिक आर्यन ने बताया भूत-प्रेत आने के पीछे का सच

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी मनोवैज्ञानिक-कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म भूल भुलैया 2, इसी साल 19 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्देशक अनीस बज्मी, निर्माता भूषण कुमार और मुराद खेतानी ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा अनोखे और डरावने अंदाज में की। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की टीम के साथ तस्वीरें शेयर की है जिसमें उन्होंने हाथों में कंकाल के सिर को पकड़ा हुआ है। वहीं दूसरी तरह कार्तिक आर्यन ने भी फिल्म का पोस्टर रिलीज किया जिसमें उन्होंने ने साधुओं वाले भगवा रंग का लिबास पहना हुआ है और हाथों में कंकाल की खोपड़ी पकड़ी हुई है। सूचना की घोषणा करते हुए आधिकारिक टी-सीरीज़ इंस्टाग्राम पर निर्माताओं ने लिखा, कार्तिक आर्यन, तब्बू और कियारा आडवाणी अभिनीत सीट-ऑफ़-द-कॉम कॉमेडी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म भूल भुलैया 2 इसी साल 19 नवंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। भूषण कुमार, मुराद खेतानी द्वारा निर्मित, और टी-सीरीज़ और सिने 1 स्टूडियोज के बैनर तले कृष्ण कुमार, फ़िल्म का निर्देशन अनीस बज्मी द्वारा किया गया है और इसे फरहाद सामजी और आकाश कौशिक ने लिखा है।

वरुण धवन और कृति सेनन की 'भेड़िया' का टीजर आया सामने

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और कृति सेनन की जोड़ी दिनेश विजान की हॉरर फिल्म 'भेड़िया' में नजर आने वाली है। 'स्त्री' और 'रूही' के बाद 'भेड़िया' दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस की तीसरी हॉरर फिल्म होगी। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करने के साथ ही इसका टीजर भी रिलीज कर दिया गया है। टीजर वीडियो में दिखाया गया है कि घने जंगल में एक आदमी अचानक भेड़िया बन जाता है। माना जा रहा है कि इस भेड़िये के किरदार में वरुण धवन होंगे। कृति सेनन के किरदार के बारे में अभी कुछ नहीं बताया गया है। सोशल मीडिया पर टीजर को रिलीज करते हुए वरुण धवन ने लिखा, 'भेड़िया का प्रणाम स्त्री जी और रूही जी को।' टीजर में बताया गया है कि यह फिल्म 14 अप्रैल 2022 को रिलीज होगी। इस फिल्म को अमर कौशिक निर्देशित कर रहे हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी होगी और फैंस इस अनाउंसमेंट के बाद काफी उत्साहित हैं। दिलवाले के बाद वरुण धवन और कृति सेनन की साथ में यह दूसरी फिल्म होगी। फिल्म में वरुण धवन और कृति सेनन के अलावा अभिषेक बनर्जी और दीपक डोबरियाल भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे।

निक जोनस के साथ कभी गाना नहीं गाएंगी प्रियंका चोपड़ा

ऐक्टिंग के अलावा प्रियंका चोपड़ा सिंगिंग में भी हाथ आजमा चुकी हैं और उनके गाने काफी पसंद भी किए गए थे। हालांकि प्रियंका ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है कि वह कभी अपने पति निक जोनस के साथ गाना गाएंगी। इंटरनैशनल आइकन प्रियंका चोपड़ा ऐक्टिंग के अलावा म्यूजिक और सिंगिंग में भी अपना हुनर दिखा चुकी हैं। प्रियंका के गाने भी काफी पसंद किए गए थे। उनके पति निक जोनस दुनियाभर में मशहूर पॉप सिंगर हैं तो ऐसे में हमेशा ऐसा अंदाजा लगाया जाता है कि कभी न कभी निक और प्रियंका की ऐल्बम आएगी। हालांकि प्रियंका ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है। प्रियंका से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया था कि क्या वह निक के साथ मिलकर अपना यूजिक करियर बनाना चाहती हैं? इसके जवाब में प्रियंका ने कहा, 'क्या आप मजाक कर रहे हैं? वह (निक जोनस) यूजिक के मामले में बेहतरीन हैं। मैं उनके साथ गाकर खुद को एक्सपोज नहीं करना चाहती हूं। यूजिक के बारे में मैंने कुछ साल पहले सोचा था मगर अब उसके लिए टाइम नहीं है। मेरे पास पहले करने के लिए काफी काम हैं।' बता दें कि हाल में प्रियंका चोपड़ा ने अपने संस्मरणों को किताब के रूप में पेश किया है जिसका नाम 'अनफिनिश्ड' है। इस किताब में उन्होंने खुद से जुड़ी ऐसी बहुत सी बातें बोली हैं जो अभी तक कम ही लोग जानते थे। अभी प्रियंका पिछले काफी दिनों से अपने पति निक के साथ लंदन में रह रही हैं। वहां पर प्रियंका अपनी आने वाली वेब सीरीज की शूटिंग कर रही हैं।

अमिताभ बच्चन की फिल्म झुंड 18 जून को होगी रिलीज

बॉलीवुड अमिताभ बच्चन ने शुक्रवार को पुष्टि की कि उनकी आगामी फिल्म 'झुंड' 18 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित है। महानायक ट्वीट कर लिखा, ''कोरोना ने हमें झटका दिया। लेकिन अब वापसी का समय है! हम वापस आ गए हैं . झुंड 18 जून को रिलीज होने वाली है।''झुंड को नागराज मंजुले बना रहे हैं, जो इससे पहले सुपरहिट मराठी फिल्म सैराट बना चुके हैं। नागराज झुंड से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। ये फिल्म फुटबॉलर अखिलेश पॉल के कोच विजय बारसे की जिंदगी पर आधारित है।

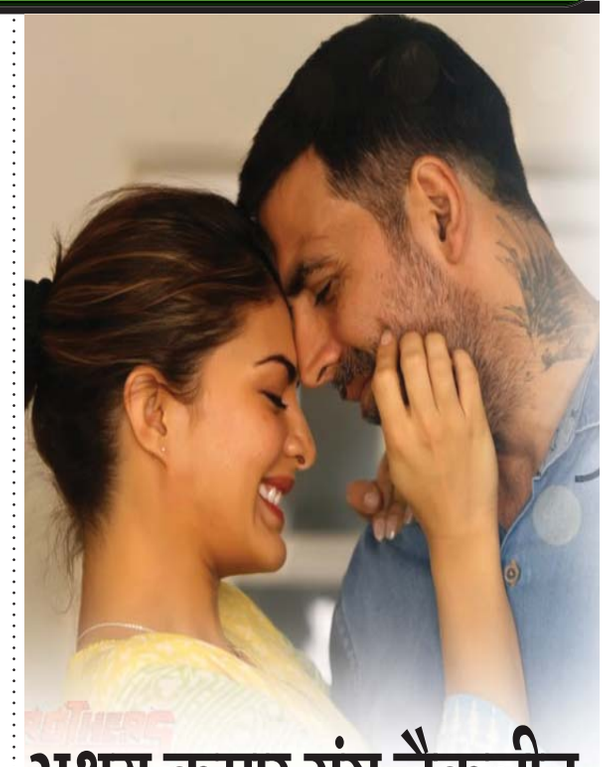

अक्षय कुमार संग जैकलीन फर्नांडीज का रोमांस!

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज जैसलमेर में अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडे की टीम में शामिल हो गई हैं। उन्होंने रेगिस्तान के लिए मशहूर शहर से भी तस्वीरें साझा कीं। एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज अब अक्षय कुमार की बच्चन पांडे की फिल्म का हिस्सा है और वह अब शूटिंग के लिए जैसलमेर में हैं। रेगिस्तान शहर से तस्वीरें शेयर करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया। जैकलीन ने ब्लैक एंड वाइट तस्वीर शेयर करते हुए लिखा आज मैंने साजिदनाडियावाला की फिल्म बच्चन पांडे को ज्वाइंन किया। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ शूटिंग की शुरूआत। यह फिल्म 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के लिए काफी उत्सुक हूं। जैकलीन फर्नांडीज से पहले कृति सेनन और अरशद वारसी ने भी फिल्म के सेट से शूटिंग की तस्वीरें साझा की थी। कृति सेनन और अरशद वारसी ने अपने हिस्से की शूटिंग को पूरा कर लिया है। तस्वीर को शेयर करते हुए कृति सेनन ने लिखा सबसे बेहतरीन, सबसे मजेदार और यादगार शेड्यूल में से एक है। अरशद ने लिखा 卐बच्चन पांडे के शूट को पूरा किया। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि मैं कुछ सबसे प्रतिभाशाली और वास्तव में अद्भुत लोगों से मिला। कृति, जैकलीन, अक्षय, साजिद, फरहाद और निश्चित रूप से चालक दल।।आपका बहुत बहुत धन्यवाद। फिल्म बच्चन पांडे में अक्षय कुमार को एक गैंगस्टर के रूप में देखा जाएगा।

डिजिटल डेयू करने जा रहे शाहिद कपूर

मौजूदा परिस्थितियों में कई बॉलीवुड सितारों ने ने डिजिटल ह्श्वलेटफॉर्म के ह्श्वाति अपनी दिलचस्पी दिखाई है। वेब सीरीज के साथ-साथ फिल्में भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जा रही हैं। शाहिद कपूर के डिजिटल डेब्यू को लेकर काफी वत से खबरें आ रही थी। अब यह कंफर्म हो गया है कि शाहिद कपूर, राज और डीके की वेब सीरीज से अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। अमेजन प्राइम वीडियो ने इस सीरीज की घोषणा कर दी है। हालांकि, इसका शीर्षक अभी निर्धारित नहीं है। यह एक थ्रिलर सीरीज होगी, जिसे राज निदिमोरू और कृष्णा डीके द्वारा बनाया जाएगा। खबरों के अनुसार शाहिद ने कहा, मैं काफी समय से राज और डीके के साथ काम करने का इच्छुक था। जब से मुझे इसकी कहानी पसंद आई, तभी से मैं काफी उत्साहित हूं। अमेजन प्राइम वीडियो पर मेरा पसंदीदा भारतीय शो 'द फैमिली मैन' है। मैं अपने डिजिटल डेयू के लिए इस प्रोजेट से बेहतर नहीं सोच सकता। बता दें कि 'द फैमिली मैन' को भी राज और डीके ने निर्देशित किया है। निर्माता राज और डीके ने कहा, हमारा उद्देश्य हमेशा हर फिल्म या सीरीज के साथ बेहतर काम करना रहा है। यह हमारा पसंदीदा स्क्रिप्ट है और शाहिद इसके लिए परफेट हैं। वह हमेशा इस सीरीज के लिए हमारी पहली पसंद थे। उन्होंने कहा, शाहिद एक रोमांचकारी अभिनेता हैं। वे अमेजन प्राइम वीडियो के हर सीरीज के प्रति अधिक जिमेदार महसूस करते हैं। यह शानदार पार्टनर रहा है और वे सीरीज को बनाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। सीरीज की कास्टिंग की प्रक्रिया अभी चल रही है। इस प्रोजेट के निर्माता जल्द ही सीरीज की कास्टिंग से संबंधित घोषणा कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐसे रखें घर को सुव्यवस्थित

- सबसे पहले तो आप अपने रसोई घर में नजर दौड़ा कर देखें की वहाँ कोई सामान बेवजह तो नहीं पड़ा है। अमूमन घरों में बेकार हो चुके या काम में न आने वाले टोस्ट, अवन आदि को भी रसोई से हटाया नहीं जाता, तो उसी सामान को रसोई में रखे जो ठीक हो और जिनकी जरूरत हो।
- अगर फ्रिज रसोई में ही रखा है तो उसे डाइनिंग टेबल के पास लगावा दें।
- मिक्सर, ग्राइंडर को रसोई में एक कोने में साफ़ जगह पर रखें जहाँ से स्विच बोर्ड पास हो और पानी की छिंटे न पहुँचे।
- छोटी अलमारी में भी रख सकती है ताकि जरूरत पड़ने पर ही निकाल सकें।
- इसके अलावा रोजाना काम में आने वाली चीजों को बाहर ही रखें। बाकी कम काम में आने वाला सामान, आप रसोई की अलमारियों और दराजों में रख सकती हैं।
- कप, बर्तन आदि को रखने के लिए स्टील का रैक आदि का प्रयोग बेहतर रहता है। संभव हो तो इसे दीवार पर अटैच करवा दें, इससे रसोई घर में ज्यादा जगह बचेगी।

क्रॉकरी की देखभाल

खाने की मेज पर सजी सुंदर क्रॉकरी जहाँ भोजन के आकर्षण को कई गुना बढ़ा देती है, वहीं यह मेजबान की सुघड़ता का भी परिचायक होती है। इसका उपयोग हर घर व होटल में होता है।

- क्रॉकरी पर स्क्रेच या रगड़ न लगे इसका ध्यान रखें। खासकर उसे साफ करते समय कूचे से साफ करने की बजाए स्पंज या कपड़े का इस्तेमाल करें। यदि गिलास अथवा कप का मुँह छोटा है और आप का हाथ भीतर नहीं जा रहा तो एक लंबी डंडी में स्पंज का टुकड़ा लपेट कर धीरे से साफ करें।
- मेहमानों के लिए क्रॉकरी अलग रखें और उसका इस्तेमाल रोज नहीं करें अन्यथा वह बदरंग हो जाएगी। रोज इस्तेमाल की जाने वाली क्रॉकरी मजबूत होनी चाहिए, नाजुक नहीं।
- क्रॉकरी को हमेशा उचित जगह रखें। जूठे बरतनों के साथ इसे न रखें और न ही उसे सिंक में रखें, अपितु तुरंत धोकर यथा स्थान रखें। यदि उसे देर तक न धोया जाए तो उसमें चाय, काफी या दाल सब्जी के दाग लग जाते हैं, जो बड़ी मुश्किल से छूटते हैं।
- क्रॉकरी को सिंक में धोने से पहले उसमें एक पुराना टाट बिछा दें ताकि यदि गलती से क्रॉकरी हाथ से छूट जाए तो टूटे नहीं।
- क्रॉकरी को एक के अंदर एक न रखें। काँच के गिलासों को अलग-अलग रखें, एक-दूसरे में फँसा कर नहीं, अन्यथा निकालते समय वे टूट सकते हैं।
- क्रॉकरी को बच्चों की पहुँच से दूर रखें वरना वे उसे तोड़ सकते हैं।

रिश्तों में कमिटमेंट लाएं

प्यार, इजहार और सात फेरों का बंधन, सफल लव स्टोरी के पहले यही पड़ाव होते थे, लेकिन अब इसके मायने बदल गए हैं। दरअसल, आज के रिश्तों में कमिटमेंट नहीं है, जिससे इनकी बुनियाद ही ठोस नहीं बनती :

अगर पुराने जमाने की बात करें, तो उस समय लव स्टोरी का मतलब बहुत सीधा-साधा होता था। लड़का-लड़की मिले, उनके बीच प्यार हुआ और यह प्यार सात जन्मों के साथ में बदल गया। फिर दोनों खुशी-खुशी साथ रहने लगे। अगर स्टोरी में थोड़ा ट्विस्ट है, तो हो सकता है वहां कोई विलेन भी हो। लेकिन फिर भी बहुत ज्यादा ऊंच-नीच न के बराबर ही होती थी और अधिकतर कहानियों में प्यार करने का मतलब ही शादी करना होता था। यानी रिश्ते में एक कमिटमेंट होता था, जो आज के रिलेशंस में कहीं गुम हो गया है।

नहीं है कमिटमेंट

यह एक सच है कि अब रिलेशनशिप्स के मायने लगातार बदल रहे हैं। दरअसल, आजकल लोग एक-दूसरे से डेट करने और टाइम पास करने के लिए मिलना चाहते हैं। अक्सर उनका मकसद अपने संबंधों को शादी के बंधन में सजाने का नहीं होता और ना ही वे एक-दूसरे के लिए इतने सीरियस होते हैं। मजेदार बात यह है कि बगैर किसी कमिटमेंट के ये एक ही छत के नीचे साथ रहने को तैयार होते हैं। अगर इसकी वजह जानने की कोशिश की जाए, तो जवाब मिलता है कि अब हमारे पास कुछ पाने का इंतजार करने का पेशंस नहीं है। यही वजह है कि थोड़ी देर की खुशी पाने की चाहत में हम चंद समय के लिए बरकरार रहने वाले कच्चे रिश्तों की ओर बढ़ने लगे हैं।

जरूरी नहीं कोई बंधन

कम समय में बहुत कुछ पाने की चाहत ने हमें एक ऐसे माहौल में लाकर खड़ा कर दिया है, जहां हम बस अपनी जरूरत के हिसाब से रिश्ते बनाते हैं। टीवी एक्ट्रेस रोशनी चोपड़ा कहती हैं, आजकल लाइफ हाइब्रिड हो गई है और हमारे सामने एक नहीं, बल्कि तमाम ऑप्शंस मौजूद होते हैं। जहां इतने सारे ऑप्शंस होते हैं, वहां कन्फ्यूजन भी बहुत होता है और किसी एक के साथ ठहरने का कोई स्कोप नहीं रह जाता। वहीं एक्टर आमिर अली का कहना है, कोई कपल एक दूसरे के लिए सीरियस जरूर हो सकता है लेकिन यह बात जरूरी नहीं है कि वे एक-दूसरे के साथ जिंदगी भी बिताएंगे।

आसान हो गई दूसरे की तलाश

कुछ साल पहले तक हम बेहद सिंपल लाइफ जीते थे। चाहे इसमें आप किसी से प्यार करें या न करें, लेकिन आपको पार्टनर के साथ रहना होता था। वैसे, देखा जाए तो प्यार शब्द अपने आप में ही बहुत कन्फ्यूज करता है। वहीं, आज के इस माहौल हमें अपना गार्ड खुद ही बनना होगा। हमें यह पता होना चाहिए कि फर्स्ट डेट में आपको अपने रिश्ते को कितना खुलापन देना है? आप किस तरह दूसरे के लिए अपने इमोशंस को मापेंगे? आमिर कहते हैं, चरिश्तों को लेकर हम ओवर कॉन्शस हो गए हैं। नए लोगों से मिलना भी अब बहुत आसान हो गया है। वैसे, कई तरह की संस्थाएं भी लोगों को इस तरह मिलाने का काम कर रही हैं। लेकिन गहरे इमोशंस न होने की वजह से ये रिश्ते बहुत ज्यादा समय तक नहीं टिक पाते। यही नहीं, अब ब्रेकअप करना भी बहुत आसान हो गया है। एक्सपोजर के कारण सभी के पास और पार्टनर्स चुनने के ऑप्शंस की कमी नहीं है। यही वजह है कि वे किसी एक के साथ टिक कर नहीं रह पा रहे।

लिव - इन का चलन

क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट डॉ . वर्खा चुलानी कहती हैं, सीधे शादी करने की बजाय अब लोग एक - दूसरे के साथ रहकर यह देखना चाहते हैं कि उनका रिश्ता हमेशा के लिए एक - दूसरे के साथ चल पाएगा या नहीं। क्योंकि शादी करने के बाद डिवोर्स या लीगल सेपरेशन जैसे कई इशू हो सकते हैं , जिनसे कॉम्प्लिकेशंस बढ़ती हैं। ऐसे में वे इन सब झंझटों से बचना चाहते हैं। वहीं , अब यंगस्टर्स भी अपने स्पाउज से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, लेकिन अपने पार्टनर को समझने की वे जरा भी कोशिश नहीं करना चाहते।

नहीं छोड़ते रोमांस और सेक्स

देखा जाए , तो रिश्तों के मामले में जेन नेक्स्ट, इन दिनों एक अव्यावहारिक एटिट्यूड अपना रही है। डॉ. चुलानी के कहती हैं, लोगों का माइंड सेट पहले से बहुत बदल गया है। अब लोग सोचते हैं कि जीने को जिंदगी एक ही बार मिलती है, इसलिए वे आसानी से कमिटमेंट नहीं करते। हालांकि इस बीच वे एक - दूसरे के साथ इमोशनल व फिजिकल इंवॉल्वमेंट भी नहीं छोड़ते। बेशक खुद को मॉडर्न दिखाने के चक्कर में हम रिश्तों की भेंट चढ़ा रहे हैं। हालांकि प्रोग्रेसिव होने में बुराई नहीं है, लेकिन इस फेर में जिंदगी को उलझाकर रखने में कोई समझदारी नहीं है। अगर जिंदगी को मजबूत आधार देना है , तो हमें रिलेशंस की गंभीरता को समझना होगा। वरना हम लाइफ को इट्स कॉम्प्लिकेटिड कहते ही बिता देंगे !

कहीं भूल तो नहीं जातीं कुछ-कुछ...

कहीं ऐसा तो नहीं, आप दिमागी तौर पर थका हुआ महसूस करती हों, बात करते-करते उसका टॉपिक ही भूल जाती हों या फिर डेली यूज में आने वाली चीजों के नाम तक आपकी जुबां से फिसल जाते हों। अगर ऐसा है, तो यह कोई लाइफस्टाइल की छोटी-मोटी प्रॉब्लम नहीं, बल्कि अल्जाइमर हो सकता है। जिसकी एक बड़ी वजह स्ट्रेसफुल लाइफ में जीना है। हाल ही में हुआ एक सर्वे तो यह बताता है कि जो महिलाएं कम उम्र से ही तनाव में रहने लगती हैं, उनमें मिडल ऐज तक पहुंचते-पहुंचते अल्जाइमर्स होने का खतरा दोगुना हो जाता है। उनमें इसके 80 प्रतिशत चांस रहते हैं। वहीं, सामान्य जिंदगी बसर करने वाली महिलाओं को इसकी शिकायत मात्र 20 प्रतिशत ही रहती है। हाल ही में वुमन हेल्थ ऑर्गनाइजेशंस ने 12 से 14 फरवरी तक अमेरिका के वाशिंगटन में एक हेल्थ कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें देश-विदेश के कई जानेमाने डॉक्टर्स ने भाग लिया। यूं तो इसमें महिलाओं की हेल्थ से जुड़े कई विषयों पर चर्चा की गई लेकिन च्महिलाओं में तनाव और उसका परिणाम टॉपिक खासतौर पर डिस्कस किया। इसी कॉन्फ्रेंस के आंकड़ों व सवे में यह बात सामने आई।

स्ट्रेस यानी....

बार-बार चिड़चिड़ापन, बेचैन रहना, नर्वस नेस, किसी तरह के भय का अहसास बने रहना, नींद न आना, छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव में आ जाना वगैरह को स्ट्रेस का दर्जा दिया गया है। यही स्ट्रेस अल्माइमर की वजह बनता है।

बदल जाता है मिजाज

अल्जाइमर डिमेंशिया का एक खतरनाक रूप है। इसमें ब्रेन के प्रोसेस में दिक्कतें आने लगती है। अगर यह स्ट्रेस लगातार बना रहता है या दिन-ब-दिन बढ़ता जाता है, तो ब्रेन कमजोर होने लगता है। इससे व्यक्ति की सीखने की क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल और रोजमर्रा के कामों को करने में दिक्कत होती है। चीजों को रखकर भूल जाना, कोई जरूरी बात दिमाग से निकल जाना, बातचीत करते समय बात का टॉपिक भूल जाना, रोजाना इस्तेमाल की चीजों के लिए सही शब्द इस्तेमाल न करना वगैरह अल्जमाइर्स के लक्षण हैं। सायकॉलजिस्ट डॉ. अजय शुक्ला कहते हैं, लगातार तनाव में रहने से दिमाग सिकुड़ कर छोटा होने लगता है। इससे मरीज की सोचने की, याद रखने की (खासकर शॉर्ट टर्म मेमरी) और सामान्य व्यवहार की क्षमता कम हो जाती है।

मल्टी रिस्पॉन्सिबिलटी

महिलाओं में यह समस्या अधिक होने की क्या वजह है? इस बारे में सायकॉलजिस्ट डॉ. सुनील अग्रवाल कहते हैं, महिलाओं को एक साथ कई कामों पर फोकस करना पड़ता है। नौकरी, घर, बच्चे, रिश्तेदार और शॉपिंग जैसी सभी चीजें एक साथ उनके दिमाग में चलती हैं। लेकिन अगर जरा भी डिसबैलेंस होता है, तो जल्द ही वे खुद को स्ट्रेस से घिरा पाती हैं। वहीं, अभी तक इसे बुढ़ापे की बीमारी माना जाता रहा था, लेकिन अमेरिका में हुई हालिया कॉन्फ्रेंस में यह साबित हो गया है कि अल्जाइमर कम उम्र में भी हो सकता है। पेशंट के दिमाग में एमिलॉयड फ्लेक्स नाम से ढेरों छोटी-छोटी संरचनाओं का निर्माण शुरू हो जाता है, जो दिमाग की कोशिकाओं के चारों तरफ जमा हो जाता है। यही मेमरी लॉस की वजह बनता है। जैसे-जैसे यह अधिक जमा होती जाती हैं, मेमरी उतनी ही लॉस होती जाती है।

दुनिया में लाखों हैं पीड़ित

अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में इस समय करीब एक करोड़ 60 लाख लोग अल्जाइमर रोग से पीड़ित हैं और 2015 तक यह संख्या दोगुनी होकर तीन करोड़ 40 लाख के आसपास पहुंच सकती हैं। इस समय दुनिया में अल्जाइमर के जितने मरीज है, उनमें से 52 प्रतिशत से अधिक मरीज विकासशील देशों में हैं और 2015 तक यह प्रतिशत बढ़कर 80 तक पहुंच जाएगी। अमेरिका में हुई इस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं की संख्या अधिक पाई गई। हालांकि अभी स्पष्ट आंकड़े तो पता नहीं चल पाएं हैं, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि यह संख्या पुरुषों के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ेगी।

किचन की सजावट

रसोई घर में डिब्बों को सजाते समय भी कुछ बातों का ख्याल रखें तो अच्छा होता है। इन्हें सजाते समय इस बात का ध्यान रखें कि जितना महत्व ड्राइंग रूम का होता है, उतनी ही रसोई घर की सजावट भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए योजना बनाकर रसोई घर के लिए उपयुक्त सामान खरीदें और इस तरह से सजाएँ कि आपका रसोई घर आकर्षक दिखे।

- रसोई घर में एक ही प्रकार के डिब्बे न रखकर मिले-जुले यानी धातु, प्लास्टिक, शीशे के डिब्बों, मर्तबानों व जारों का उपयोग करें।
- रसोई घर के एक किनारे पर कोई अच्छा-सा गमला भी रख दें, जिससे रसोई घर और अधिक आकर्षक दिखाई दे।
- सभी डिब्बे अपनी उपयोगिता के अनुसार गृहिणी की पहुँच के अंदर ही हों। जैसे- मसालों के सभी डिब्बे सबसे नजदीक हों, अचार के मर्तबान दूर, तेल, घी के डिब्बे आँच से दूर व आटा, चावल, दाल आदि के डिब्बे नमी वाले स्थान से दूर रखें।
- हर नया सामान भरते समय हर डिब्बे की सफाई व देखभाल बहुत जरूरी है, वरना सामान खराब हो जाने का डर रहता है। साथ ही जब भी कोई भी सामान निकालें, सामान निकालकर तुरंत कपड़े से डिब्बा साफ कर यथा स्थान वापस रख दें।

कैसे हों किचन के डिब्बे

- अनेक प्रकार की दालें व मसाले भरने के लिए छोटे-बड़े डिब्बों की आवश्यकता पड़ती है। अगर आप इस सामान के लिए पारदर्शी प्लास्टिक के बने हुए डिब्बे लें तो ज्यादा आसानी रहेगी, क्योंकि इसमें सामान दिखाई देता है। अगर धातु के बने या मोटे डिब्बे लें तो जो-जो सामान उनमें भरें उस नाम का लेबल उसमें चिपका दें, जिससे सामान आपको तुरंत मिल जाए।
- फ्रिज में बचा हुआ खाना, मक्खन, गुँथा हुआ आटा आदि रखने के लिए भी डिब्बों की जरूरत पड़ती है। इसके लिए आप प्लास्टिक, स्टील या हिन्डोलियम के डिब्बे प्रयोग में ला सकती हैं, हाँ इतना ख्याल रखें कि ये डिब्बे चपटे, पतले और हल्के हों। इन्हें फ्रिज में ठूँस-ठूँसकर नहीं भरना चाहिए, जिससे हवा के संचरण में रुकावट हो।
- ये डिब्बे नक्काशीदार और नमूनेदार न होकर सादे होने चाहिए ताकि धूल-मिट्टी आसानी से साफ हो सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामूहिक बलात्कार

दलित किशोरी से गैंगरेप के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

महोबा (एजेसी)। जिले में पुलिस ने 16 वर्षीय एक दलित किशोरी के साथ सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। कुलपहाड़ पुलिस ने सोमवार को बताया कि कुलपहाड़ कस्बे के एक मोहल्ले की 16 वर्षीय एक दलित लड़की के साथ कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किये जाने की घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे की है। बताया गया है कि घटना के समय लड़की अपने घर के बाहर अकेले खड़ी थी, तभी हमीरपुर जिले के अतरौलिया गांव के युवक जयहिंद (23) और आशीष सेन (22) उसे पकड़ कर सुनसान जगह ले गए और दोनों ने जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ बलात्कार किया। आरोपियों के कब्जे से छूटने के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और घटना की जानकारी अपनी बड़ी बहन को दी।

पीड़िता की बहन की तहरीर के आधार पर जयहिंद और आशीष सेन के खिलाफ अपहरण, सामूहिक बलात्कार, जान से मारने की धमकी देने के अलावा पॉक्सो और अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत रविवार को मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर किया गया। पुलिस ने बताया कि एक सरकारी अस्पताल में पीड़िता की चिकित्सकीय जांच कराई गई है। दोनों आरोपियों का भी चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है और डीएनए जांच के लिए उनके नमूने लिए गए हैं।

समाज में बदलाव लाकर महिलाओं को प्रोत्साहित करने की खास योजना मिशन शक्ति

अलीगढ़ (एजेसी)। सूबे की महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाये जा रहे विशेष मिशन शक्तिअभियान के तहत मार्च माह की थीम च्महिलाओं तथा बच्चों में सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचारज्ञ तय की गयी है । इसके तहत महिलाओं और बच्चों को अपने हक की लड़ाई में प्रभावी संचार की भूमिका के बारे में जागरूक किया जाएगा । इसके साथ ही समाज में सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार के माध्यम से रूढ़िवादी मान्यताओं को दूर करने के लिए सकारात्मक माहौल बनाया जाएगा । इसके अलावा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली महिलाओं की पहचान कर उनकी सफलता की कहानियों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अन्य महिलाओं के लिए वह प्रेरक की भूमिका अदा कर सकें ।

महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति के तहत अब तक करीब 7.06 करोड़ लोगों को जागरूक किया गया है, जिसमें 4,27,45,135 महिलाएं और 2,78,68,302 पुरुष शामिल हैं । महिला कल्याण विभाग मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी स्मिता सिंह का कहना है कि बहुत से क्षेत्रों में आज भी महिलाओं और बच्चों को भेदभाव व लैंगिक असमानता का शिकार होना पड़ता है,

ऐसे में उनको उन स्थितियों से उबारने में प्रभावी संचार की बड़ी भूमिका है ।

इसी को ध्यान में रखते हुए यूनिसेफ के सहयोग से विशेष सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार माडयूल तैयार किया गया है

यूपी के प्राइमरी स्कूलों में होगा बच्चों का जोरदार स्वागत
आगामी 1 मार्च से खुलेंगे स्कूल, स्मार्ट क्लासेस के जरिये होगी पढ़ाई

लखनऊ(एजेसी) उत्तर प्रदेश में लगभग एक साल से बंद प्राइमरी स्कूलों को 1 मार्च से दोबारा खोला जायेगा। स्कूलों में प्राइमरी क्लास के स्टूडेंट्स का स्वागत गर्मजोशी के साथ करने के लिए तैयारियां भी शुरूकर दी हैं। बच्चों का स्वागत रंग बिरंगे गुब्बारों और फूलों से करने का फैसला लिया गया है। लखनऊके बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि शिक्षकों को स्कूल का माहौल उत्सव जैसा बनाने के दिशा निर्देश दिये गये है। लखनऊमें 100 से अधिक स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज की व्यवस्था हो चुकी है

लगभग एक वर्ष से सभी छात्र कोरोना की वजह से ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे थे। अब छात्रों की दोबारा स्कूल जाने में रुचि पैदा हो और वह फिजिकल क्लास में भाग ले सकें, इसी कोशिश में शिक्षा विभाग का यह फैसला आया है। आकर्षक ढंग से सजे स्कूल में विद्यार्थियों के लिये शुद्ध पेयजल और साफ शौचालय की व्यवस्था की जा रही है। स्कूल के मुख्य द्वार और कक्षाओं को गुब्बारों और रंग बिरंगे फूलों से सजाने के भी निर्देश दिए गए हैं। सभी कक्षाओं को आकर्षक पेंटिंग्स और डायग्राम्स से सजाने के साथ ही सभी स्कूलों को अपने कैंपस में सफाई का विशेष ध्यान रखने को भी कहा गया है। स्कूल के बच्चों को मास्क पहन कर आना आवश्यक होगा। सभी कक्षाओं को नियमित रूप से सैनिटाइज करने के भी आदेश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के 1.5 लाख से अधिक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में एक करोड़ 83 लाख से अधिक बच्चें पढ़ाई करते हैं। इस वर्ष शिक्षा विभाग की यही कोशिश है कि अपने स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस की भी शुरूआत की जा सके। केवल लखनऊ में 100 से अधिक स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज की व्यवस्था हो चुकी है। धीरे-धीरे करके विभाग अपने द्वारा संचालित सभी स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस की व्यवस्था कर रहा है।

थोड़ी देर में योगी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट

मथुरा (एजेसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार विधान मंडल के दोनों सदनों में वित्तीय वर्ष २०२१-२२ का बजट पेश करेगी। अगले साल यूपी विस के चुनावों को देखते हुए इस बजट से हर वर्ग को बड़ी उम्मीद है। माना जा रहा है कि जिस तरह योगी सरकार ने हर वित्तीय वर्ष में बजट का आकार बढ़ाया है, उसी तरह ये पांचवां बजट भी भारी भरकम होगा। यूपी के इतिहास में पहली बार पेपरलेस बजट पेश हो रहा है। बजट में कोरोना की मुफ्त वैक्सीन की घोषणा की सम्भावना है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह बजट युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केंद्रित होगा। इसके साथ इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए विकास को रफ्तार देने की कोशिश भी बजट में दिखेगी। बजट में योगी सरकार श्रमिकों, किसानों, बेरोजगारों व महिलाओं को राहत देने के लिए नई योजनाएं ला सकती है। बजट में हर वर्ग की उम्मीदें पूरी करने की कोशिश

होगी। कोरोना संकट के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को बड़ा बजट देते हुए कोरोना वैक्सीन सभी के लिए मुफ्त करने की घोषणा हो सकती है। महिला सशक्तीकरण के अलावा गंगा किनारे के गांवों में शाम की आरती के लिए गंगा चबूतरा के लिए रकम रखी जाएगी। स्कूल-कालेज के छात्र छात्राओं को टैबलेट या लैपटाप देने का चुनावी वायदा इस बार पूरा हो सकता है।

बजट में असंगठित क्षेत्र के एक करोड़ श्रमिकों को दुर्घटना व स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिलाने की तैयारी है। तलाकशुदा महिलाओं व परित्यक्ता महिलाओं के लिए छह हजार रुपये की पेंशन देने की व्यवस्था हो सकती है। पिछले बजट में इसके लिए पैसे की व्यवस्था नहीं हो पाई थी। मंड़ियों की बेहतरी के लिए भी बड़ी रकम का इंतजाम होगा। कोरोना संकट के चलते विधायकों के वेतन भत्तों की कुछ धनराशि स्थगित की गई थी।

इसे नए वित्तीय वर्ष से बहाल किया जा सकता है। इसके अलावा राज्य कर्मचारियों को डीए दिए जाने के लिए आवश्यक धनराशि की व्यवस्था वित्त विभाग बजट में करेगा। अयोध्या, वाराणसी व मथुरा के विकास पर खास फोकस होगा।

अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट, व जेवर एयरपोर्ट, एक्सप्रेस वे, मेट्रो परियोजनाएं, फिल्म सिटी जैसी बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर की योजनाओं को भी बजट के जरिए पंख लगेंगे।

बलिया में फेसबुक लाइव के दौरान अचानक पलटी नाव, दो युवकों की मौत,चार गंभीर

बलिया (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिला अंतर्गत बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के मैरिटार गांव के पास सुरहा ताल पर फेसबुक लाइव करने के चक्कर में नाव पलट गई।

इस हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई है।

बांसडीह कोतवाली के प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि गांव मैरिटार के छह युवक रविवार दोपहर एक छोटी नाव (डेंगी) से सुरहा ताल के बीच बने टीले पर जाने के लिए निकले थे।

नाव पर कोई चालक नहीं था। युवक खुद ही नाव चला रहे थे।

युवक हंसी-मजाक करते हुए फेसबुक लाइव करने लगे। इसी दौरान नाव अनियंत्रित होकर पलट गई।

नाव के पलटने से सभी नाव सवार युवक डूब गए।

नाव पलटते देख युवक बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे।

आवाज सुनकर पास ही मछली पकड़ रहे मल्लाहों ने इन युवकों को तालाब से बाहर निकाला।

इसमें दो युवकों की स्थिति गम्भीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया,

जहां चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

दोनों मृत युवकों की शिनाख्त अनुज गुप्ता व दीपक गुप्ता के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों युवकों के शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

सार-समाचार

सिपाही की गोली मारकर हत्या

गाजीपुर (एजेसी)। जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में बदमाशों ने एक सिपाही की गोली मारकर हत्या कर दी। सिपाही अमेठी के गौरीगंज थाने में तैनात था। वह बहन की रिंग सगाई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गाजीपुर आया था। सिपाही के शव के बगल से पुलिस ने दो पिस्टल भी बरामद की है। पुलिस मामले को आत्महत्या बता रही है। जबकि परिवार वाले हत्या कह रहे हैं।

प्राप्त विवरण के मुताबिक गाजीपुर के बभनौली गांव निवासी अजय यादव 2018 बैच का सिपाही था। इन दिनों उसकी तैनाती अमेठी के गौरीगंज थाने में थी। बहन की सगाई समारोह के लिए 15 दिन का अवकाश लेकर वह गांव आया था। रविवार को समारोह में उसने खूब मस्ती की और सोमवार की भोर में खेतों पर टहलने के लिए निकल गया। थोड़ी देर बाद उसका शव गांव से कुछ दूर खेतों में लहुलुहान देख हड़कंप मच गया। गांव के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने देखा कि एक अवैध पिस्टल उसके हाथ में और दूसरी उसके बगल में पड़ी है। उसका मोबाइल फोन भी उसके बगल में पड़ा मिला। युवक के पास मिली दोनों पिस्टल की जांच की जा रही है। प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या जैसा प्रतीत हो रहा है। फारेंसिक टीम ने फिंगर प्रिंट और अन्य जांच टीमों ने मौके से सबूत जुटाए हैं। कई पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर अन्य चीजों के बारे में पता चलेगा। मारे गए सिपाही अजय के पिता रामप्रताप यादव सीआरपीएफ में कार्यरत थे।

पीडित परिवारों के घरों में नहीं जला चूल्हा छोटे-छोटे बच्चे तरस गए खाने के लिए

उन्नाव (एजेसी)। जिले के असोहा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बबुरहा गांव के पीड़ित परिवारों के घरों में तीन दिनों से कोई चूल्हा नहीं जला है। पीड़िता का पूरा परिवार भूखा है। इन्हीं परिवारों के छोटे-छोटे बच्चे खाने के लिए तरस गए हैं। उल्लेखनीय कि 17 फरवरी की शाम बबुरहा गांव में 3 किशोरियां संदिग्ध अवस्था में खेत में मिली थी। जिसमें दो किशोरियों की मौत हो चुकी थी और तीसरी किशोरी को गंभीर हालत में रेफर कर दिया गया है।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और पूरा गांव छावनी में तब्दील हो गया। वहीं परिजनों को जब बच्चियों की मौत की खबर मिली तबसे आज तक पूरा परिवार गहरे सदमे में है।बताया जा रहा है कि तीनों परिवार के किसी भी सदस्य ने अभी तक खाना नहीं खाया सिर्फ पानी पीकर ही जी रहे हैं। चूल्हे में पड़ी पुरानी राख बता रही है कि परिवार कितना सदमे है। पुलिस के लिए आए हुए लंच पैकेट में कुछ लंच पैकेट पीड़ित परिवार के बच्चो को मिले जो तुरंत ही पैकेट खोलकर खाना खाने लगे जिससे यह बात पता चलती है कि बच्चे कितने और कब से भूखे हैं। इस सम्बन्ध में जब परिवार की सबसे बड़ी सदस्य रामकुमारी से बात की गई तो उन्होंने बताया ?कि बेटी के मौत के गम में भूख नहीं लग रही है। जब कोई रिश्तेदार खाना लेकर आता है तो किसी के भी हलक से खाने का एक निवाला भी नीचे नहीं उतरता, क्योंकि बच्चियों की याद आते ही परिजन बिलख पड़ते हैं।

मालूम हो ?कि इस की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर के रख दिया है। गम में डूबे एक ही परिवार के तीन घरों में मातम छाया हुआ है। गांव में अब भी भारी सुरक्षा बल तैनात है। गांव में राजनैतिक पार्टियों के नेताओं का आना-जाना लगा हुआ है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कश्मीर घाटी में 11 महीने बाद ट्रेन सेवा बहाल, 1,100 लोगों ने की यात्रा

श्रीनगर/नयी दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण कश्मीर घाटी में करीब 11 महीने से स्थगित ट्रेन सेवा सोमवार को बहाल कर दी गयी तथा बनिहाल और बारामूला रेलवे स्टेशन के बीच लगभग 1,100 लोगों ने यात्रा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रेन सेवा आंशिक रूप से बहाल की गई है। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, एक ट्रेन बनिहाल से 'अप' और एक बारामूला से 'डाउन' चलेगी।' रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर कहा कि ट्रेन सेवा बहाल होने से आवागमन सुगम होगा और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने ट्वीट किया, 'कश्मीर घाटी में बनिहाल-बारामूला खंड पर 22 फरवरी से ट्रेन सेवा बहाल होगी।' वर्तमान में कश्मीर में रामबन जिले के बनिहाल और बारामूला के बीच ही रेलवे सेवा का परिचालन होता है। जम्मू और कश्मीर क्षेत्र के बीच निर्बाध रूप से ट्रेन सेवा के परिचालन के लिए उधमपुर और बनिहाल स्टेशन को जोड़ने के लिए काम चल रहा है। रेलवे ने कहा कि देशभर में सभी यात्री ट्रेन सेवा के परिचालन के लिए कोई तारीख निश्चित नहीं की गई है।

सचिन पायलट का आरोप, जनता की मेहनत की कमाई लूट रही है केंद्र सरकार

जयपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के लिए सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह जनता की मेहनत की कमाई लूट रही है। पायलट ने ट्वीट किया, ''केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल व घरेलू गैस के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि कर जनता की मेहनत की कमाई लूट रही है।'' उन्होंने लिखा, ''संप्रग सरकार के कार्यकाल में महंगाई के नाम पर खोखला व अनर्गल शोर मचाने वाले भाजपा नेताओं ने इस बेलगाम महंगाई पर मौन साध लिया है।

कुछ राज्यों में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए अमित शाह ने कोविड-19 स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में आई अचानक बढ़ोतरी को देखते हुए सोमवार को देश में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन, गृह सचिव अजय भल्ला और दोनों मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि गृह मंत्री ने देश में कोरोना वायरस की स्थिति की समीक्षा की खासकर उन राज्यों की जहां हाल के समय में मामलों में बढ़ोतरी देखी गई। अधिकारी ने बताया कि बैठक में जारी टीकाकरण प्रक्रिया और वायरस के और प्रसार पर लगाम लगाने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में कोविड-19 के मामलों में अचानक बढ़ोतरी की खबरें सामने आई हैं।

सिद्धरमैया का दावा, भाजपा नहीं चाहती थी कि पुडुचेरी में कांग्रेस सरकार रहे

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा नहीं चाहती थी कि पुडुचेरी में जब विधानसभा चुनाव होने वाले हैं तो ऐसे में वहां कांग्रेस नीत वी नारायणसामी की सरकार रहे। वह केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में विश्वास मत से पहले आज नारायणसामी की सरकार गिरने पर प्रतिक्रिया जता रहे थे। पुडुचेरी में कांग्रेस विधायकों और द्रमुक के एक विधायक द्वारा हाल में दिए गए इस्तीफों के कारण गठबंधन की सरकार अल्पमत में आ गई थी। मेंगलुरू में संवाददाताओं से बात करते हुए सिद्धरमैया ने आरोप लगाए कि कांग्रेसविधायकों को खरीदा गया और चुनाव का सामना करने के बजाए उनसे इस्तीफा दिलवाया गया। सिद्धरमैया ने कहा, ''अब नारायणसामी मुख्यमंत्री हैं। लक्ष्य उनको हटाने का है ताकि उनके सत्ता में रहते चुनाव नहीं हो सके। यह चीजों को करने का अलोकतांत्रिक तरीका है।'' अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नारायणसामी ने उपराज्यपाल तमिलीसाई सुंदरराजन से मुलाकात की और अपनी चार सदस्यीय कैबिनेट का इस्तीफा सौंप दिया।

साइकिल से विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक धक्का लगाते दिखे

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। इससे पहले कांग्रेस विधायक पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में साइकिल से विधानसभा पहुंचे। इस दौरान चढ़ाई होने की वजह से अधिकतर कांग्रेस विधायकों को बीच रास्ते में साइकिल से उतरना पड़ गया। पूर्व मंत्री व विधायक पीसी शर्मा और जीतू पटवारी साइकिल से चढ़ाई नहीं चढ़ पाए और उन्हें साइकिल से उतकर अपने वाहन से विधानसभा जाना पड़ा। इसके बाद विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ता वापस लौट गए। दरअसल, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों का कांग्रेस द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। इसके लिए बीते तीन दिन से जगह-जगह धरना-प्रदर्शन किये जा रहे हैं। सोमवार को बजट सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायक भोपाल के छह नम्बर बस स्टाप पहुंचे और यहां से साइकिल रैली निकालते हुए विधानसभा की ओर रवाना हुए। इसमें विधायक आरिफ मसूद, कुणाल चौधरी, पीसी शर्मा, जीतू पटवारी, संजय यादव के साथ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हुगली में प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार, कहा- अब परिवर्तन का मन बना चुका है पश्चिम बंगाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के हुगली में पहुंचे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल अब परिवर्तन का मन बना चुका है। आज पश्चिम बंगाल अपने तेज विकास के संकल्प को सिद्ध करने के लिए बड़ा कदम उठा रहा है। मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों का ये उत्साह, ये उमंग, ये ऊर्जा कोलकाता से लेकर दिल्ली तक बहुत बड़ा संदेश दे रहा है। अब पश्चिम बंगाल परिवर्तन का मन बना चुका है। पिछली बार मैं आपको गैस कनेक्टिविटी का, इंफ्रास्ट्रक्चर का उपहार देने आया था। आज रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाले महत्वपूर्ण काम शुरु होने जा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि आधुनिक हाईवे, आधुनिक रेलवे, आधुनिक एयरवे, इन देशों के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने, इन देशों को आधुनिक बनाने में मदद की, वहां ये एक प्रकार से परिवर्तन का बड़ा कारण बना। हमारे देश में भी यही काम दशकों पहले होना चाहिए था। लेकिन हुआ नहीं। मोदी ने कहा, 'अब हमें और देर नहीं करनी है। हमें एक पल भी रुकना नहीं है। हमें एक पल भी गंवाना नहीं है। इसी सोच के साथ आज देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर अभूतपूर्व जोर दिया जा रहा है, अभूतपूर्व निवेश किया जा रहा है।' विपक्ष पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि जितनी भी सरकारें पश्चिम बंगाल में रहीं, उन्होंने इस ऐतिहासिक क्षेत्र को अपने ही हाल में छोड़ दिया, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर को, यहां की धरोहर को बेहाल होने दिया गया। वंदे मातरम भवन जहां बंकिमचंद जी 5 साल रहे, कहते हैं वो तो बहुत बुरे हाल में है। वो वंदे मातरम जिसने आजादी की लड़ाई में नए प्राण फूंके, हमारे क्रांतिवीरों को नई ताकत दी, मातृभूमि को सुजलाम्-सुफलाम् बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम', सिर्फ इन दो शब्दों ने, गुलामी की निराशा में जी रहे देश को नई चेतना से भर दिया।

मोदी ने कहा कि ऐसे अमर गान की रचना करने वाले के स्थान को न संभाल पाना, बंगाल के, गौरव के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। इस अन्याय के पीछे बहुत बड़ी राजनीति है। ये वो राजनीति है जो देशभक्ति के बजाय वोटबैंक, सबका विकास के बजाय तुष्टिकरण को बल देती है। आज यही राजनीति, बंगाल में लोगों को मां दुर्गा की पूजा से रोकती है, उनके विसर्जन से रोकती है। बंगाल के लोग, वोटबैंक की राजनीति के लिए अपनी संस्कृति का अपमान करने वाले ऐसे लोगों को कभी माफ नहीं करेंगे। आज मैं बंगाल के लोगों को ये विश्वास दिलाता हूं, जब बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी तो हर बंगाल वासी अपनी संस्कृति का गौरवगान कर सकेगा। कोई उसे डरा नहीं पाएगा, दबा नहीं पाएगा। भाजपा उस सोनार बांग्ला के निर्माण के लिए काम करेगी, जिसमें यहां का इतिहास, यहां की संस्कृति दिनों दिन और मजबूत होगी। ऐसा बंगाल, जहां आस्था, आध्यात्म और उद्यम, सबका सम्मान होगा। ऐसा बंगाल, जहां विकास सभी का होगा, तुष्टिकरण किसी का नहीं होगा। ऐसा बंगाल, जो टोलाबाजी से मुक्त होगा, रोजगार और स्वरोजगार युक्त होगा। ममता सरकार पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि मां-माटी-मानुष की बात करने वाले लोग, बंगाल के विकास के सामने दीवार बनकर खड़े हो गए हैं। केंद्र सरकार किसानों और गरीबों के हक का पैसा सीधे उनके बैंक खाते में जमा करती है।

महबूबा मुफ्ती फिर से चुनीं गईं पीडीपी अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर को लेकर कही यह बात

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को सोमवार को तीन साल के लिए फिर से पीडीपी अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। पार्टी के एक प्रवक्ता ने चयन के बाद कहा कि मुफ्ती का नाम वरिष्ठ नेता गुलाम नबी लोन हंजूरा ने प्रस्तावित किया और खुर्शीद आलम ने इसका अनुमोदन किया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पीडीपी नेता अब्दुल रहमान वीरी पार्टी निर्वाचन बोर्ड के अध्यक्ष थे। प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू में पार्टी के निर्वाचन मंडल ने मुफ्ती को सर्वसम्मति से पुन- पार्टी प्रमुख चुना। वरिष्ठ नेता सुरिंदर चौधरी चुनाव के पीठासीन अधिकारी थे। मुफ्ती ने संवाददाताओं से बातचीत मेंकहा कि जम्मू-कश्मीर मुश्किल दौर से गुजर रहा है और वह पीडीपी का उस मिशन का नेतृत्व करेंगी जिसके लिए उसकी स्थापना की गई है। उन्होंने कहा, ''पीडीपी की स्थापना लोगों की आवाज और उनकी समस्याओं को उठाने के लिए की गई है। हम उसे जारी रखेंगे।'' एक सवाल के जवाब में पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, ''अगर वे (पुलिस) मानते हैं कि मुझे लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने की वजह से गिरफ्तार करना चाहिए, तो उन्हें अपना कर्तव्य करने दीजिए। मैं अपना काम करना जारी रखूंगी।'' जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के सवाल पर मुफ्ती ने कहा, '' इसका फैसला मुझे नहीं करना है। केंद्र को इसे बहाल करना है।'' उल्लेखनीय है कि मुफ्ती मोहम्मद सईद ने नेशनल कांफ्रेंस के क्षेत्रीय विकल्प केतौर पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का वर्ष 1998 में गठन किया था। पिछले दो दशक में कई दिग्गज नेताओं के पीडीपी में शामिल होने के बाद पार्टी की ताकत बढ़ी, हालांकि जून 2018 में जम्मू-कश्मीर में पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के गिरने के बाद वह विभाजन की कगार पर थी। मुफ्ती ने पार्टी पर मजबूत पकड़ बरकरार रखी है लेकिन कुछ संस्थापक सदस्यों सहित अधिकतर बड़े नेताओं ने गत दो साल में पीडीपी को छोड़ दिया है।

कृषि मंत्री के बयान पर राकेश टिकैत का पलटवार, कहा- भीड़ तो सत्ता परिवर्तन की सामर्थ्य रखती है

सोनीपत। (एजेंसी)।

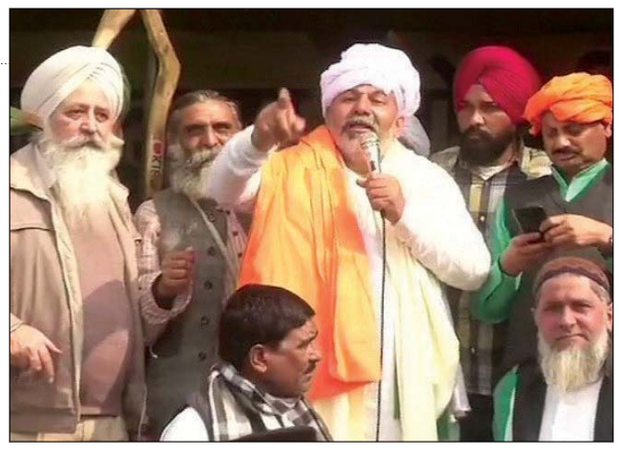

किसान नेता राकेश टिकैत ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के एक बयान पर सोमवार को हरियाणा के सोनीपत जिले में पलटवार करते हुए कहा कि जब लोग जमा होते हैं तो सरकारें बदल जाती हैं। तोमर ने कहा था कि सिर्फ भीड़ के जमा होने से कानून रद्द नहीं होंगे। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता टिकैत ने चेताया कि अगर तीन नए कृषि कानूनों को रद्द नहीं किया गया तो सरकार का सत्ता में रहना मुश्किल हो जाएगा। वह इस महीने हरियाणा में किसान महापंचायत कर रहे हैं। सोनीपत जिले के खरखौदा की अनाज मंडी में किसान महापंचायत में टिकैत ने कहा कि जब तक कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया जाता तब तक किसान किसान आंदोलन जारी रहेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने रविवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कहा था कि केंद्र सरकार नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों से बात करने को तैयार है लेकिन महज भीड़ जमा हो जाने से कानून रद्द नहीं होंगे। उन्होंने किसान संघों से सरकारों को यह बताने का आग्रह किया कि इन नए कानूनों में कौनसा प्रावधान उन्हें किसान विरोधी लगता है। इस पर पलटवार करते हुए टिकैत ने महापंचायत में कहा, राजनेता कह रहे हैं कि भीड़ जुटाने से कृषि कानून वापस नहीं हो सकते। जबकि उन्हें मालूम होना चाहिए कि भीड़ तो सत्ता परिवर्तन की सामर्थ्य रखती है। यह अलग बात है कि किसानों नेअभी सिर्फ कृषि कानून वापस लेने की बात की है, सत्ता वापस लेने की नहीं। दिल्ली की अलग अलग सीमाओं पर बीते साल 28 नवंबर से किसान तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें अधिकतर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हैं।

टिकैत ने कहा, उन्हें (सरकार को) मालूम होना चाहिए कि अगर किसान अपनी उपज नष्ट कर सकता है तो आप उनके सामने कुछ नहीं हो। उन्होंने कहा, कई सवाल हैं। सिर्फ कृषि कानून नहीं है, लेकिन बिजली (संशोधन) विधेयक है, बीज विधेयक है.... वे किस तरह के कानून लाना चाहते हैं? टिकैत ने पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ती कीमतों के लिए सरकार की आलोचना भी की। किसान नेता ने कहा, मौजूदा आंदोलन सिर्फ उस किसान का नहीं है, जो फसल उगाता है, बल्कि उसका भी है, जो राशन खरीदता है। उस छोटे से छोटे किसान का भी है, जो दोपशुओं से आजीविका चलाता है। उन मजदूरों का भी है ,जो साप्ताहिक बाजार से होने वाली आयसे अपना गुजारा करते हैं। उन्होंने कहा, ये कानून गरीब को तबाह कर देंगे। यह सिर्फ एक कानून नहीं है, इस तरह के कई कानून आएंगे। टिकैत ने कहा कि सरकार को 40 सदस्यीय समिति से ही बातचीत करनी होगी।

एलएसी पर सकारात्मक रुख के बाद चीन के 45 निवेश प्रस्तावों को भारत देगा हरी झंडी!

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

बनते-बिगड़ते माहौल के बीच अब तक भारत और चीन के कोर कमांडर लेवल की दस दौर की बैठक हो चुकी है। भारतीय पक्ष का नेतृत्व पीजेके मेनन ने और चीन की तरफ से आर्मी की दक्षिणी शिनजियांग मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट के प्रमुख मेजर जनरल लिलुलिन बातचीत में शामिल हुए। 16 घंटे तक चली इस बैठक में डिसइंगेजमेंट के दूसरे चरण पर चर्चा हुई। भारत की मांग है कि तुरंत गोगरा, हॉट स्प्रिंग, डेमचोक और देपसांग से अपने सैनिकों को वापस बुलाए।

45 निवेश प्रस्तावों को मिलेगी मंजूरी

भारत और चीन के 45 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए तैयार हैं। जिनमें ग्रेट वॉल मोटर और एसएआईसी मोटर कॉर्प के शामिल होने की संभावना है। प्राप्त जानकारी अनुसार सरकार की योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए 150 से अधिक प्रस्तावित चीनी निवेशों को तीन श्रेणियों में विभाजित करने की है। दोनों देशों के बीच करीब 2 अरब डॉलर के 150 निवेश प्रस्ताव पाइपलाइन में अटके रहे।

भारत-चीन वार्ता

वार्ता के बारे में हालांकि अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यह बातचीत दोनों सेनाओं के पैंगांग सो (झील) के उत्तरी व दक्षिणी किनारों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों से सैनिकों व हथियारों की वापसी के पूरा होने के दो दिन बाद हुई। माना जा रहा है कि भारत ने बातचीत के दौरान क्षेत्र में तनाव कम करने के लिये हॉट स्प्रिंग्स,गोगरा और देप्सांग जैसे इलाकों से वापसी प्रक्रिया को तेज करने पर जोर दिया। सूत्रों ने शनिवार को कहा था कि बातचीत के दौरान व्यापक प्राथमिकता क्षेत्र में तनाव में कमी लाने की है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि क्षेत्र में तनाव कम करने के लिये गतिरोध वाले सभी बिंदुओं से सैनिकों की वापसी जरूरी है।

अयोध्या हवाई अड्डा का नाम होगा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हवाई अड्डा, योगी सरकार ने दी बड़ी धनराशि

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधान मंडल में सोमवार को पेश 2021-22 के बजट में अयोध्या में निर्माणाधीन हवाई अड्डे का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हवाई अड्डा,अयोध्या रखने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए बजट में 101 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अयोध्या हवाई अड्डे को अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रूप में विकसित करने की योजना है। पिछले साल अगस्त के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी थी। इसके बाद से धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या के प्रति देश-दुनिया में आकर्षण बढ़ा है। अयोध्या स्थित सूर्यकुंड के विकास सहित अयोध्या नगरी के सर्वांगिण विकास की योजना के लिए बजट में 140 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। बजट में गौतमबुद्धनगर के जेवर हवाई अड्डे पर हवाई पट्टियों की संख्या दो से बढ़ाकर छह करने का निर्णय लिया गया है और बजट में इसके लिए दो हजार करोड़ रुपये की धनराशि प्रस्तावित की गई है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा बजट पेश किये जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से दावा किया कि इस हवाई अड्डे को एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जाएगा। कुशीनगर हवाई अड्डा को केंद्र सरकार द्वारा अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया गया है और राज्य में जल्द ही चार अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे... लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और गौतमबुद्धनगर होंगे। इसके अलावा भारतीय सरकार की उड़ान योजना के तहत अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, चित्रकूट तथा सोनभद्र हवाई सेवा के लिए चयनित किये गये हैं। इनमें सानेभद्र और चित्रकूट में हवाई अड्डे का निर्माण मार्च तक पूरा हो जाएगा जबकि अन्य के कार्य पूरे हो चुके हैं।

सांसद स्मृति ईरानी ने मकान बनाने के लिए अमेठी में जमीन खरीदी, गांधी परिवार पर साधा निशाना

अमेठी (उत्तर प्रदेश)। (एजेंसी)।

स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मकान बनाने के लिए जमीन की रजिस्ट्री कराने के बाद सोमवार को परोक्ष रुप से गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'इतिहास गवाह है कि अमेठी का सांसद कभी यहां मकान बनाकर नहीं रहा और जनता को यह बात हमेशा खटकती रही।' ईरानी ने मकान बनाने के लिए अमेठी में जमीन खरीदी है। उसकी रजिस्ट्री के बाद सोमवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, ''अमेठी की जनता के मन में हमेशा यह सवाल रहा कि क्या स्थानीय सांसद यहां मकान बनाकर रहेगा? 2019 के चुनाव में मैंने क्षेत्र के लोगों से वादा किया था कि मैं अमेठी में अपना मकान बनाऊंगी और जनता के सारे काम यही से होंगे। उसी वादे को पूरा करने के लिए मैंने आज मकान की जमीन की रजिस्ट्री करायी है।''

ईरानी ने कहा, ''चुनाव के दौरान मैंने अमेठी की जनता से जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, बाईपास का निर्माण, सैनिक स्कूल की स्थापना आदि जैसे कुछ वादे किए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग से मैं उन्हें पूरा करने में सफल रही हूँ।'' उन्होंने कहा कि वह लोकसभा क्षेत्र के लोगों को अपने मकान के भूमि पूजन में आने का न्योता देंगी। अमेठी से 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराने के बाद ईरानी ने कहा था कि वह अमेठी में अपना मकान बनाएंगी और यहां के लोगों को अपने काम के लिए दिल्ली तक जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। सांसद ने आज अमेठी कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित उप निबंधक कार्यालय में मकान के लिए जमीन की रजिस्ट्री करायी। उप निबंधक, गौरीगंज प्रवीण ओवराय ने बताया कि उनकी यह जमीन गौरीगंज की ग्राम सभा मेदन मवई में है।

उत्तर प्रदेश के बजट पर अखिलेश यादव का तंज! बोले 'खेल खत्म, पैसा हजम'

प्रयागराज। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के एक कार्यक्रम में प्रदेश सरकार की बजट पर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नीत सरकार का आखिरी बजट आज पेश हुआ है। यह आखिरी बजट था और इसके बाद मुख्यमंत्री कुछ चाहेंगे तो भी नहीं मिल सकता। ''इसके साथ खेल खत्म, पैसा हजम।'' उन्होंने कहा, ÷यह पैसा भाजपा ने कैसे खत्म किया है, वह हम और आप नहीं समझ पाए। हमें तो उम्मीद थी कि जो बजट आएगा, इसमें गरीब के लिए, किसान के लिए कुछ राहत होगी। लेकिन गरीब को वही धोखा मिला जो भाजपा पहले दिन से देते आई है।÷

कृषि कानूनों को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों के लिए नहीं, बल्कि उद्योगपतियों के लिए फैसले ले रही है। कानून किसानों के लिए लाया गया है, लेकिन वह उन्हें नहीं चाहते हैं, ऐसे में कृषकों पर कानूनों को थोपने की क्या जरुरत है। अगले वर्ष प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से पूर्व अखिलेश यादव ने ब्राह्मण समाज के कई प्रबुद्ध नेताओं- मनोज पांडेय, विनय पांडेय, बब्बन दूबे, प्रभाकर शर्मा, रुद्र ओझा के समाजवादी पार्टी से जुड़ने का स्वागत किया। इन नेताओं ने सपा प्रमुख को भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट की। उन्होंने कहा, ÷हमने भगवान परशुराम के नाम पर अवकाश घोषित किया था।

इसी तरह विश्वकर्मा जयंती पर अवकाश दिया जाता था, लेकिन इन लोगों (भाजपा नीत सरकार) ने भगवान परशुराम, विश्वकर्मा जयंती पर दी जाने वाली छुट्टी खत्म कर दी।÷ सभी वर्गों के लोगों के सपा से जुड़ने का दावा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ÷जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, जो सत्ता में आज बैठे हैं, जिनके पास 324 सीटें हैं, उनके लोग भी बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी से जुड़ेंगे।÷ डीजल और पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा, ÷सरकार यह कहती है कि इन पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। यही तो हम भी कह रहे हैं कि आप किसानों को कंपनियों के भरोसे छोड़ दोगे तो किसानों को एमएसपी (फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य) कौन देगा। कल ये कंपनियां हमारे किसानों का सबकुछ खरीद लेंगी तो उसका बाजार में भाव क्या होगा। इसलिए किसान को बाजार पर नहीं छोड़ा जा सकता क्योंकि कीमतें बाजार तय करती हैं।÷

अखिलेश ने कहा, ÷पेट्रोल-डीजल पर जो मुनाफा हो रहा है, वह कहां जा रहा है। यह मुनाफा किसान के लिए है या उद्योगपति के लिए है। यह सरकार हमारे आपके जनप्रतिनिधि जैसी नहीं है, बल्कि धन प्रतिनिधि बन गई है।÷ जिले के यमुनापार घूरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बसवार गांव में निषाद समाज के लोगों के साथ घटित घटना पर उन्होंने कहा, ÷इस सरकार के लोगों ने उनकी (नाविकों) नाव नहीं तोड़ी थी, बल्कि उनकी रोजी रोटी छीनी। सपा के नेता और कार्यकर्ता सबसे पहले उनके पास पहुंचे और जो भी मदद कर सकते थे, उन्होंने की।÷ उल्लेखनीय है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को बसवार गांव का दौरा कर वहां प्रभावित लोगों से मुलाकात की थी और नाविकों की टूटी नावों का निरीक्षण कर उनकी लड़ाई लड़ने का वादा किया था।

गत चार फरवरी को अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बालू के अवैध खनन में कथित तौर पर लिप्त निषाद समाज के कई लोगों को कथित तौर पर पीटा और उनकी नावें तोड़ दी थीं। यादव ने कार्यक्रम के दौरान सपा के वरिष्ठ नेता राम पूजन पटेल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी और पटेल के निधन को पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे राम पूजन पटेल का सोमवार की सुबह प्रयागराज के तेलियरगंज स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)